cmyk

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
हिन्दुस्तान एक्सप्रेस
हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह
मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 5 लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन बैडमिंटन से बाहर,.... | सम्पादकीय 'आपरेशन सिंदूर' से साफ संदेश | माइक्रोसॉफ्ट 6800 कर्मचारियों को नौकरी से 5

वर्ष 19 ● अंक 119 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online ग्वालियर, गुरूवार 15 मई 2025 email - hindustanexpressbhopal@gmail.com मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

भारतीय एयर डिफेंस ने पाकिस्तान के हथियार नष्ट किए : केन्द्र

चीन-तुर्किये ने सप्लाई किए थे; JNU ने तुर्किये की इनोनू यूनिवर्सिटी से करार तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने बताया कि भारतीय डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के हथियारों को नष्ट किया था। ये जानकारी प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (PIB) ने दी है। PIB ने बताया कि भारतीय डिफेंस सिस्टम पेचोरा, OSA-AK, और आकाश मिसाइल सिस्टम ने पाकिस्तानी हथियारों को ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तान को ये हथियार चीन-तुर्किये ने दिए थे। वहीं, जवाहर लाल यूनिवर्सिटी (JNU) ने तुर्किये की इनोनू यूनिवर्सिटी के साथ करार (रूश्व) खत्म कर दिया है। JNU ने X पर लिखा- हम देश के साथ खड़े हैं। इस बीच, भारतीय व्यापारियों ने तुर्किये से सेब के आयात से इनकार कर दिया है। व्यापारियों का कहना है कि तुर्किये, पाकिस्तान को ड्रोन भेजता है।

इन्हीं ड्रोन्स से पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया। अब हम तुर्किये के सेब नहीं बेचेंगे। भारत तुर्किये से सालाना 1200 करोड़ रुपए का सामान आयात करता है। इसमें सेब की बड़ी मात्रा शामिल है।

PIB ने बताया- भारत की एयरस्ट्राइक में हमारे एसेट्स सुरक्षित रहे

PIB ने ये भी बताया कि भारत की पाकिस्तान में की गई एयरस्ट्राइक में हमारे किसी भी एसेट्स को नुकसान नहीं हुआ। भारत की निगरानी, प्लानिंग और डिलीवरी सिस्टम जबर्दस्त था। भारत की आधुनिक स्वदेशी टेक्नोलॉजी, लॉन्ग रेंज ड्रोन्स से लेकर गाइडेड युद्ध सामग्री कारगर साबित हुए।

कांग्रेस बोली- सीजफायर की घोषणा ट्रम्प ने क्यों की

कांग्रेस जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी सवाल कर रही है कि सीजफायर की पहली घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प क्यों करते हैं? ये अभूतपूर्व है। किसके कहने पर हुआ, किसने बात की।

न्यायमूर्ति बीआर गवई बने भारत के नए मुख्य न्यायाधीश

राष्ट्रपति मुर्मू ने दिलाई शपथ

आर.एन.एस

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने आज बुधवार को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्यायमूर्ति गवई को पद की शपथ दिलाई। बता दें कि गवई ने सीजेआई संजीव खन्ना का स्थान लिया है। जस्टिस गवई पहले बौद्ध सीजेआई हैं और दलित समुदाय से दूसरे ऐसे सीजेआई हैं, जो देश के सर्वोच्च न्यायिक पद पर आसीन होने वाले हैं। इससे पहले 2007 में सीजेआई केजी बालकृष्णन ने पदभार संभाला था। जस्टिस गवई ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि वे सेवानिवृत्ति के बाद कोई कार्यभार नहीं संभालेंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह

अपने पिता की तरह राजनीति में शामिल होंगे, तो न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ÷कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं है। मैंने सेवानिवृत्ति के बाद कोई कार्यभार या पद नहीं लेने का निर्णय लिया है। कोई भी अन्य कार्यभार सीजेआई पद से नीचे है, राज्यपाल का पद भी सीजेआई पद से नीचे है।÷ जस्टिस गवई, आरएस गवई के बेटे हैं, जो एक प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ हैं, जो बिहार और केरल के राज्यपाल थे। वे एक ऐसे परिवार से हैं जो बीआर अंबेडकर के आदर्शों को बढ़ावा देने में गहराई से लगा हुआ है। उनके पिता एक प्रमुख अंबेडकरवादी और पूर्व सांसद थे। महाराष्ट्र के एक गांव में जन्मे न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि वह आज भी वर्ष में तीन बार अपने गांव आना पसंद करते हैं, विशेषकर अपने दिवंगत पिता की जयंती और पुण्यतिथि पर तथा गांव में लगने वाले वार्षिक मेले के दौरान।

24 नवंबर 1960 को अमरावती में जन्मे, वे 16 मार्च 1985 को बार में शामिल हुए और बॉम्बे उच्च न्यायालय और बॉम्बे उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ में अपनी प्रैक्टिस शुरू की। उन्हें 17 जनवरी 2000 को नागपुर पीठ के लिए सरकारी वकील और लोक अभियोजक नियुक्त किया गया था। उन्हें 14 नवंबर 2003 को उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया और नवंबर 2005 में वे बॉम्बे उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश बन गए। न्यायमूर्ति गवई को 24 मई, 2019 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया।

सीएम ने कहा: पीएम मोदी के नेतृत्व में रेलवे आधुनिकीकरण का हुआ है अद्भुत कार्य

मध्यप्रदेश और कर्नाटक मिलकर खोलेंगे परस्पर विकास के नये रास्ते

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे क्षेत्र में अद्भुत काम हुआ है। अलग-अलग कम्पनियों ने इस क्षेत्र में जो कार्य किया है वह %मेड इन इंडिया% का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण है। देश में मेट्रो और वन्देभारत जैसी आधुनिक रेल के विभिन्न उपकरणों का निर्माण हो रहा है। बीईएमएल, मध्यप्रदेश में रोलिंग स्टॉफ और मेट्रो कोच का निर्माण करेगी। उन्होंने कहा कि कर्नाटक से मध्यप्रदेश के संबंध प्रगाढ़ होंगे। हम अनेक कार्यों में परस्पर विकास के नये रास्ते खालेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को बेंगलुरू में बीईएमएल कार्यशाला के भ्रमण के दौरान यह बात कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए बेंगलुरू स्थित बीईएमएल लिमिटेड के अत्याधुनिक रेल कोच विनिर्माण संयंत्र से 2100वें मेट्रो कोच को हरी झंडी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रायसेन जिले के उमरिया क्षेत्र में बीईएमएल की नई रोलिंग स्टॉक विनिर्माण इकाई की स्थापना के लिए भूमि आवंटन-पत्र कंपनी के चेयरमेन और एमडी श्री शांतनु रॉय को सौंपा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह क्षण मध्यप्रदेश ही नहीं, पूरे देश के लिए गौरवपूर्ण है। बीईएमएल में निर्मित 2100वें मेट्रो कोच का शुभारंभ भारत की उन्नत निर्माण क्षमता, इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और स्वदेशी तकनीक के बढ़ते प्रभाव का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के रायसेन में बीईएमएल की इकाई स्थापना को एक अभूतपूर्व कदम बताया। उन्होंने कहा कि इससे देश-प्रदेश का औद्योगिक इको सिस्टम सशक्त बनेगा। साथ ही युवाओं, एमएसएमई और स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार और अवसरों के नए द्वार खुलेंगे। रायसेन में मेट्रो और रेल कोच निर्माण इकाई की स्थापना प्रदेश के समावेशी एवं सतत् विकास की दिशा में एक सशक्त कदम है।÷ मध्यप्रदेश शासन, मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम और बीईएमएल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मध्यप्रदेश शासन ने इस इकाई के लिए कुल 60.063 हेक्टेयर भूमि आवंटन को मंजूरी दी है। प्रस्तावित इकाई मुख्य रेल एवं नगरीय परिवहन परियोजनाओं के लिए रोलिंग स्टॉक और मेट्रो कोच का निर्माण करेगी। इससे प्रदेश और देश के अन्य भागों में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर सशक्त होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार मानते हुए बीईएमएल के चेयरमेन और एमडी श्री शांतनु रॉय ने कहा कि बीईएमएल उनके विश्वास पर खरी उतरेगी। रायसेन में हमारी इकाई का विस्तार भारत के नगरीय रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को और गतिशीलता एवं सशक्त बनाएगा। 2100वें मेट्रो कोच का निर्माण इस बात का प्रमाण है कि हमारे सहयोगी संस्थानों ने बीईएमएल पर निरंतर विश्वास जताया है। यह उपलब्धि हमारे नवाचार, स्वदेशीकरण एवं गुणवत्ता के प्रति समर्पण को दर्शाती है। साथ ही देश की औद्योगिक उन्नति एवं रोजगार सृजन में हमारी भूमिका को सुदृढ़ करती है।

मध्यप्रदेश में उद्योगों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जिलों में बनाए गए हैं उद्योग प्रकोष्ठ, नई उद्योग केंद्रित नीतियां हैं लागू

मध्यप्रदेश में निवेश संभावनाओं पर केन्द्रित बेंगलुरू में हुआ इंटरेक्टिव सेशन

7935 करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए

18 हजार 975 नए रोजगार होंगे सृजित

बीईएमएल को 148 एकड़ भूमि आवंटन, म.प्र. बना निवेश का भरोसेमंद डेस्टीनेशन

बेंगलुरू में उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन चर्चा कर परिसंवाद भी किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि व्यापारी और निवेशक मध्यप्रदेश आएं और उद्योग को बढ़ावा दें। आज मेड इन इंडिया का जमाना है। मध्यप्रदेश सरकार ने नई उद्योग केंद्रित नीतियां लागू की हैं। सभी जिलों में उद्योग प्रकोष्ठ खोले गए हैं। इंडस्ट्री शुरू करने के लिए राज्य में सिंगल विंडो सिस्टम लागू है। निवेशकों के लिये मुख्यमंत्री सहजता से उपलब्ध है। राज्य में पर्याप्त लैंड बैंक, पानी और बिजली उपलब्ध है। राज्य सरकार ने उद्योगपतियों को सब्सिडी के बैकलॉग का एक-एक रुपया लौटाया है। सरकार बड़े उद्योगों के साथ छोटे निवेशकों को भी प्रोत्साहन दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को बेंगलुरू में हुए रोड-शो के इंटरेक्टिव सेशन को संबोधित कर रहे थे। इंटरेक्टिव सेशन में विभिन्न निवेशकों से चर्चा हुई। आज निवेशकों से 7935 करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इससे 18 हजार 975 नए रोजगार सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ÷परफॉर्म, रिफॉर्म, ट्रांसफॉर्म÷ के मूलमंत्र को आधार बनाकर हम आत्म-निर्भर भारत के संकल्प की पूर्ति की ओर तेजी से अग्रसर है। प्रदेश में उद्योगों की स्थापना और निवेश को बढ़ावा देने के लिये हमारी सरकार निरंतर प्रयासरत है। इस दिशा में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, राष्ट्रीय पर विभिन्न शहरों में किये गये रोड-शो और इंटरेक्टिव सेशन सहित ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के माध्यम से हमने लोकल से ग्लोबल स्तर तक सफलतापूर्वक निवेश संवाद किया है। बेंगलुरु में आज दूसरी बार हुए रोड-शो और इंटरेक्टिव सेशन से निवेश और औद्योगिक विकास को नई गति मिली है। मध्यप्रदेश निवेशकों के लिए ÷प्रगतिशील, पारदर्शी और भरोसेमंद राज्य÷ के रूप में उभरा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हमारा शेयर बाजार नई ऊँचाईयों को छू रहा है। निवेशक मध्यप्रदेश आएं और अपने उद्योग को बढ़ाएं। एक बार जो मध्यप्रदेश आता है, वहीं का होकर रह जाता है। सभी प्रकार के उद्योगों के विकास का कार्य मध्यप्रदेश में हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योगों को प्रोत्साहन राशि दी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश केवल निवेश का वादा नहीं करता, हम जिनसे कमेटमेंट करते है, उन्हें समयबद्ध रूप से पूरा भी कर रहे है। ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट 2025 में हमने केवल वादे नहीं किए, उन्हें धरातल पर भी उतारा गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में 5260 करोड़ रूपये की प्रोत्साहन राशि बड़े उद्योगों और एमएसएमई को वितरित की गई है। प्रदेश में विभिन्न सेक्टरों में निवेश संवर्द्धन के लिये 18 नई औद्योगिक नीतियां लांच की गई, जो आज निवेश के लिये गेम चेंजर साबित हो रही हैं।

... शेष पृष्ठ 2 पर

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा: विकसित भारत के लिए उत्तर-पूर्व के राज्यों का विकास होना जरूरी

नई दिल्ली। देश के उत्तर-पूर्व के राज्य विकास के मामले में काफी पीछे थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद उत्तर-पूर्व के राज्य के विकास को विशेष प्राथमिकता दी गयी. इसका परिणाम है कि उत्तर-पूर्व के राज्यों में हाल के वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ अन्य बुनियादी ढांचे का विकास तेज गति से हुआ है. इन राज्यों में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं. इस कड़ी में 23-24 मई को दो दिवसीय राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट का आगाज होगा. इस समिट में उत्तर-पूर्व के राज्य में उसकी क्षमता के हिसाब से निवेश को बढ़ावा देना है. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि कई उत्तर-पूर्व के राज्य 12 फीसदी दर के हिसाब से आर्थिक विकास कर रहे हैं. पूर्व में इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी. लेकिन अब वे देश के विकास में अहम योगदान अदा कर रहे हैं.

सामरिक तौर पर उत्तर पूर्व के राज्यों का काफी महत्व

उत्तर-पूर्व के राज्य सांस्कृतिक और प्राकृतिक तौर पर काफी संपन्न रहे हैं. लेकिन विकास के मामले में पीछे रहे. सामरिक तौर पर इस क्षेत्र का देश के लिए काफी महत्व है. केंद्र सरकार ऐसे क्षेत्र पर फोकस कर रही है, जिनकी क्षमता का सही तरीके से पहचान नहीं की गयी. इस क्षेत्र में ग्रीन एनर्जी से लेकर कृषि और अन्य क्षेत्रों में विकास की काफी संभावना है. इस क्षेत्र में विकास के लिए निवेश को बढ़ावा देने के लिए कई रोड शो का आयोजन किया गया है.

सभी राज्यों में निवेश के लिए सिंगल विंडो सिस्टम बनाया गया और खुशी की बात है कि कई कंपनियों ने उत्तर-पूर्व में निवेश किया है. मौजूदा समय में उत्तर-पूर्व के राज्य विकास के लिए नए मानक तय कर रहे हैं. विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए इन राज्यों का विकसित होना जरूरी है।

राजमाता माधवीराजे सिंधिया की प्रथम पुण्यतिथि पर भजन संध्या आज

ग्वालियर। राजमाता माधवीराजे सिंधिया की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए भजन संध्या का आयोजन आज 15 मई को छत्री पर आयोजित किया गया है। पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, बाल खांडे, गुड्डू वारसी, रामनारायण मिश्रा व जयंत जपे ने बताया कि गुरूवार शाम 5.30 बजे भजन संध्या रखी गई है जिसमें शिवपुरी के प्रसिद्ध भजन गायक अशोक मोहिते द्वारा भजन प्रस्तुत कर स्वरांजलि अर्पित की जाएगी। इसके पश्चात चारों धर्मो के धर्म गुरू संतश्री कृपाल सिंह महाराज, शहर काजी अब्दुल अजीज कादरी, महामंडलेश्वर रमेशलाल महाराज,

सरदार बलजीत सिंह, फादर संजय भौसले को शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके पूर्व राजमाता की प्रथम पुण्यतिथि पर सुबह 9 बजे कैलाशवाशी माधवराव सिंधिया की छत्री पर स्थित चित्र पर गणमान्य नागरिकों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इस दिन ग्वालियर में विभिन्न आयोजन किये जाएंगे। जिसमे सुबह 10 बजे आदर्श कॉलोनी में हिमांशु शिल्पी खत्री द्वारा रक्तदान शिविर, सात नंबर चौराहा मुरार में सुरेंद्र सिंह परमार चच्चू द्वारा फल वितरण, अचलेश्वर मंदिर पर सुरेश पहलवान द्वारा भोजन वितरण, शाम 4 बजे गुड्डू वारसी, रुचिका श्रीवास्तव, मुक्तेश जैन, प्रिंयका गर्ग, डॉ नरेश देव द्वारा गायों को घास खिलाकर गौ सेवा की जाएगी। मंडल अध्यक्ष देवेंद्र गुर्जर द्वारा दंगियापुरा अम्बेडकर पार्क में बुजर्गो के लिए कुर्सी लगाई जाएंगी। कार्यक्रम संयोजक पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, बाल खांडे, गुड्डू वारसी, रामनारायण मिश्रा, सुरेंद्र शर्मा सरपंच, विजय गर्ग, जयंत जपे, सुरेंद्र परमार चच्चू, रामसुंदर रामू, आनंद सावंत, उमाशंकर सोनी, नवीन परांडे, अमर कुटे, लवी खंडेलवाल, देवेंद्र गुर्जर, हर्षजीत शिंदे, रुचिका श्रीवास्तव, प्रियंका गर्ग, उषा चौहान, धर्मेंद्र शर्मा, विशाल जैन, मुक्तेश जैन ,संगीत पाल आदि ने शहर की जनता से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में स्व. राजमाता माधवीराजे सिंधिया की छत्री पर पहुंचकर भजन संध्या में शामिल होकर अपनी श्रृद्धांजलि अर्पित करें।

20 दिन बाद पाकिस्तान ने लौटाया बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार

अटारी बॉर्डर से हुई वापसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने भारत के बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार को वापस लौटा दिया है। दरअसल, पाकिस्तानी रेंजर्स ने अटारी वाघा सीमा के रास्ते बीएसएफ कॉन्स्टेबल को वापस भेजा है। बता दें कि वे पिछले करीब बीस दिनों से पाकिस्तान के कब्जे में थे। कॉन्स्टेबल पूर्णम कुमार सुबह 10.30 बजे वतन वापस लौटे हैं, उनसे पूछताछ की जा रही है। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक राहत भरी खबर सामने आई है। बीएसएफ के जवान पूर्णम कुमार, जो गलती से सीमा पार कर पाकिस्तान पहुंच गए थे, उन्हें पाकिस्तानी सेना ने आखिरकार रिहा कर दिया है। आज

सुबह करीब 10.30 बजे उन्हें अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते भारत को सौंपा गया।

बीएसएफ ने बयान जारी कर कहा कि आज सुबह 10.30 बजे कांस्टेबल पूर्णम कुमार शॉ को अटारी-वाघा सीमा पर क्कस्न द्वारा पाकिस्तान से वापस लाया गया। कांस्टेबल पूर्णम कुमार शॉ 23 अप्रैल 2025 को फिरोजपुर सेक्टर में ऑपरेशनल ड्यूटी के दौरान गलती से पाकिस्तान की सीमा में चले गए थे और उन्हें पाक रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया था। पूर्णम कुमार 23 अप्रैल को पंजाब के फिरोजपुर सेक्टर में तैनाती के दौरान गलती से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर पाकिस्तान चले गए थे। पाकिस्तानी रेंजर्स ने उन्हें तुरंत हिरासत में ले लिया था। इसके बाद से वह करीब 20 दिनों तक पाकिस्तान की हिरासत में रहे। इस दौरान उनके परिवार और देशभर में चिंता का माहौल बना रहा, खासतौर पर उस समय जब भारत-पाक रिश्तों में पहले से ही भारी तनाव था। इस घटना के एक दिन पहले ही जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक भीषण आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी।

यूपीएससी के नए चेयरमैन बने पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार

नई दिल्ली। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय के आदेश के अनुसार, पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार को यूपीएससी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मंगलवार को जारी आदेश के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कुमार की नियुक्ति को मंजूरी दी। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अध्यक्ष का पद 29 अप्रैल को प्रीति सूदन का कार्यकाल पूरा होने के बाद रिक्त हो गया था। केरल कैडर के 1985 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी कुमार ने अपने सेवा रिकॉर्ड के अनुसार 23 अगस्त, 2019 से 31 अक्टूबर, 2022 तक रक्षा सचिव के रूप में काम किया। यूपीएससी आईएएस, भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के लिए अधिकारियों का चयन करने के लिए सिविल सेवा परीक्षा आयोजित करता है। इसका नेतृत्व एक अध्यक्ष करता है और इसमें अधिकतम 10 सदस्य हो सकते हैं। वर्तमान में आयोग में दो सदस्यों के पद रिक्त हैं। यूपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति छह वर्ष की अवधि या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक के लिए की जाती है।

cmyk

नागरिक सुरक्षा/आपदा प्रबंधन उपकरण के संबंध में प्रशिक्षण की तिथियां निर्धारित

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। होमगार्ड मुख्यालय मध्यप्रदेश भोपाल के आदेशानुसार कलेक्टर अंकित अस्थाना ने नगरीय निकायों में अनुभाग स्तर पर नागरिक सुरक्षा/आपदा प्रबंधन उपकरण के संबंध में प्रशिक्षण की तिथियां निर्धारित की हैं। प्रशिक्षण के दौरान पंजीकृत सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स का प्रशिक्षण जिला होमगार्ड इकाई द्वारा दिया जाना है। प्रशिक्षण में नागरिक सुरक्षा आपदा प्रबंधन उपकरणों की जानकारी, हवाई हमला, अग्नि आपदा संबंधी प्रशिक्षण तथा प्राथमोपचार की जानकारी दी जायेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुभाग अंबाह के अंतर्गत नगरपालिका पोरसा जनपद पंचायत पोरसा, नगरपालिका अंबाह, जनपद पंचायत अंबाह में 15 मई को प्रातः 11 से 2 बजे तक प्रशिक्षण दिया जायेगा। अनुभाग मुरैना के अंतर्गत नगरपरिषद बानमोर, जनपद पंचायत मुरैना और नगरनिगम मुरैना में 16 मई को प्रातः 11 से 2 बजे तक प्रशिक्षण दिया जायेगा।

अनुभाग जौरा के अंतर्गत जनपद पंचायत पहाड़गढ़, नगरपालिका जौरा और जनपद पंचायत जौरा में 19 मई को प्रातः 11 से 2 बजे तक प्रशिक्षण दिया जायेगा।

इसी प्रकार अनुभाग सबलगढ़ के अंतर्गत जनपद पंचायत सबलगढ़, नगरपालिका सबलगढ़, नगरपरिषद झुंडपुरा, नगरपालिका कैलारस और जनपद पंचायत कैलारस में 20 मई को प्रातः 11 से 2 बजे तक प्रशिक्षण दिया जायेगा।

अनुविभागीय अपने अपने क्षेत्रांतर्गत उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था के नोडल अधिकारी होंगे। अग्नि आपदा संबंधी प्रशिक्षण नगरनिगम/नगरपरिषद तथा प्रथमोपचार का प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा दिया जायेगा।

बाग सेवनिया में अब अपराधियों की खैर नहीं!

भोपाल। नेशनल हॉस्पिटल उठाएगा बड़ा कदम–थाना बाग सेवनिया क्षेत्र के दर्जनभर से अधिक प्रमुख स्थानों और चौराहों पर हाई-टेक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। अपराधों पर नकेल कसने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अस्पताल प्रबंधन और पुलिस अधिकारियों के बीच अहम चर्चा हुई। नेशनल अस्पताल के मैनेजर श्रेयस ने खुद आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभाली। कैमरा इंस्टॉलेशन का काम जल्द शुरू होगा। इलाके की सुरक्षा को लेकर यह एक बड़ी और सराहनीय पहल मानी जा रही है।

भारतीय सेना के सम्मान में आज निकलेगी तिरंगा यात्रा, बैठक में हुआ निर्णय

गया। भारतीय जनता पार्टी महाराज अग्रसेन मंडल की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओम प्रकाश शेखावत विशेष अतिथि के रूप में मंडल के पूर्व अध्यक्ष मनमोहन पाठक महाराज अग्रसेन मंडल के अध्यक्ष महेश भदोरिया सबसे पहले बैठक में मुख्य अतिथियों द्वारा श्याम प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की चित्रों पर माला अर्पण कर बैठक शुभारंभ किया।

गया मंडल के मंत्री हरिओम राय द्वारा हरिओम राय द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान किया गया। उसके बाद मंडल की बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे ओमप्रकाश शेखावतजी ने अपनी बात रखी कल जो तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। इसका उद्देश्य कोई राजनीतिक नहीं है। इसका मुख्य उद्देश्य हमें अपनी भारतीय सेना का गौरव बढ़ाना है। उन्होंने और हम भारतीय सेवा के साथ में हैं जो भारतीय सेना ने अपना पराक्रम पाकिस्तान तो दिखाया है। उनके सम्मान में एक तरंग यात्रा बनती है। इस यात्रा में भारतीय जनता पार्टी का झंडा बैनर वोटिंग पोस्ट नहीं होंगे। यात्रा पूरी तरह देश को समर्पित रहेगी। इसमें नारे भी सिर्फ भारतीय सेना जिंदाबाद भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगेंगे। मुख्य अतिथि में सभी आदि से किस तिरंगा यात्रा में सम्मिलित होने का बात रखी ओबवियसली लोक इस तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हो।

बैठक में जिले और मंडल के सभी पदाधिकारी मौजूद थे। प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी जिले के उपाध्यक्ष केशव मांझी, मंडल के पूर्व महामंत्री छोटे सिंह तोमर, वरिष्ठ भाजपा नेता संतोष शर्मा, भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की मंडल की महामंत्री ज्योति पाठक, आरती तोमर, नेहा शर्मा, सुग्रीम राय, पूर्व पार्षद जय सिंह सोलंकी, मंडल के मंत्री हरिओम राय, विनोद बाथम, वृंदावन माहौर आदि लोग उपस्थित थे। अंत में बैठक का आभार मंडल के मंत्री हरिओम राय जी द्वारा किया।

आपरेशन सिन्दूर: सेना ने दिखा दिया भारत का 56 इंची सीना

- डॉ राघवेंद्र शर्मा -

ऑपरेशन सिंदूर ने और उसे अंजाम देने वाली भारतीय सेना ने देश के प्रत्येक नागरिक का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। वहीं यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस कार्रवाई को एक ऐसे मुकाम तक पहुंचा दिया है, जिसके परिणाम स्वरूप भविष्य में पाकिस्तान और वहां बैठे आतंकी भारत पर हमला करना तो दूर उसकी ओर आंख उठा कर देखने का दुस्साहस भी ना कर सकेंगे। प्रधानमंत्री की मंशा अनुरूप हमारी सेना के जांबाज सिपाहियों ने भी पाकिस्तान की नापाक हरकतों का मुंह तोड़ जवाब दे कर यह जता दिया कि पहले हम किसी को छेड़ते नहीं, और यदि कोई हमें छेड़े तो फिर उसे हम छोड़ते नहीं। हालांकि भारत सरकार ने शत्रु देश का काफी नुकसान करने के बावजूद अपनी सैन्य कार्रवाई को औपचारिक रूप से युद्ध का नाम नहीं दिया। किंतु जिस प्रकार से हमारी सीमाओं के आसपास पड़ोसी देश के ड्रोन देखे गए, मिसाइलें गिराने की असफल कोशिशें हुईं। जवाबी कार्रवाई में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के सैन्य संसाधनों को हवा में ही नष्ट किया और शत्रु देश के अनेक एयरबेस उड़ाने में सफल रही। पाकिस्तान में संचालित आतंकियों के अनेक प्रशिक्षण केंद्रों को ध्वस्त किया गया। इस कार्रवाई में 100 से अधिक ऐसे आतंकवादी मारे गए,पाकिस्तान सरकार और वहां की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर वहां आतंकवाद की फैक्ट्री चला रहे थे। उपरोक्त स्थानों पर आतंकवादियों को प्रशिक्षित कर उन्हें दुनिया भर में शांति भंग करने के लिए निर्यात कर रहे थे। भारतीय सेना की आक्रमकता को देखते हुए तत् समय ही यह स्पष्ट हो गया था कि परिस्थितियां औपचारिक युद्ध के मार्ग पर कदम आगे बढ़ा चुकी थीं। इसी से भयाक्रांत होकर पाकिस्तानी हुक्मरान अमेरिकी दरबार में ढोक लगाने को मजबूर हुए। यही वजह रही कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों देशों के बीच स्वस्फूर्त मध्यस्थता करने के लिए प्रयासरत दिखाई दिए। हालांकि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और तीनों सेनाओं के भारतीय प्रमुखों ने तत्काल यह स्पष्ट कर दिया कि यह विशुद्ध दो देशों के बीच का मामला है, इसमें भारत को किसी तीसरे देश की मध्यस्थता कतई स्वीकार नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी भली भांति जानते हैं कि भारत पाकिस्तान की अकल ठिकाने लगाने के मूड में है और वह इस मामले में किसी भी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। यही वजह रही की ट्रंप केवल दावा करते दिखाई दिए कि भारत पाकिस्तान सीज फायर के लिए तैयार हो गए हैं। यह बात भी अब स्पष्ट हो चुकी है कि पाकिस्तान के शीर्ष सेना अधिकारी और वहां के हुक्मरान भारत से सीज फायर की गुहार लगा चुके हैं । इसे भारत का बड़प्पन ही कहा जाएगा कि उसने पाकिस्तान की गिड़गिड़ाहट को नजरअंदाज नहीं किया। फल स्वरुप कुछ देर के लिए दुनिया ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीज फायर की स्थिति भी देखी। जैसी कि पुख्ता धारणा है, पाकिस्तान अस्तित्व में आने के बाद से ही भरोसेमंद देश नहीं रहा है। इस बार भी उसने गैर भरोसेमंद काम ही किया। एक ओर वह अमेरिका को माध्यम बनाकर भारत सरकार की बारगाह में सैन्य कार्यवाही रोकने की गुहार लगाता रहा, तो दूसरी ओर उसने भारतीय सीमा के भीतर एक बार फिर सशस्त्र ड्रोन भेजने की हिमाकत कर डाली। अंतर्राष्ट्रीय विश्लेषकों का मानना है कि शांति की गुहार लगाकर भारतीय सीमाओं में ड्रोन भेजने की स्थिति पाकिस्तानी सेना और वहां की चुनी हुई सरकार के बीच उठा पटक मचने के चलते बनी होगी। क्योंकि पाकिस्तान का इतिहास रहा है, वहां के हुक्मरान आवाम की चिंता किए बगैर खुद की सलामती सुनिश्चित करने और अपना राजनीतिक उल्लू साधने में संलग्न बने रहते हैं। जबकि पाकिस्तान की सेना हमेशा इस ताक में बनी रहती है कि कब सरकार गलती करे और कब उसका तख्ता पलट कर पाकिस्तान में सैन्य शासन स्थापित किया जाए। भारत जैसे जिम्मेदार देश को तो एक साथ अनेक मोर्चों पर युद्ध लड़ना होता है। उसे अपनी सैन्य कार्रवाई एकदम सटीक निशाने पर करनी होती है, जिसका अपेक्षित परिणाम शत प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति करता हो। इसी के साथ उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वही प्रामाणिकता प्रदर्शित करनी होती है, जैसा वह चाहता है अथवा जैसा उसने सोच रखा होता है। इसी के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुश्मन की नापाक हरकतों को ठीक तरह से एक्सपोज किया जा सके, यह प्रयास भी बड़े पैमाने पर करने होते हैं। यह बताने के लिए कि एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते अब हमें कौन-कौन सी सावधानियां बरतनी चाहिए। क्योंकि भारत समेत किसी भी देश में ऐसे तत्वों की उपस्थिति बनी रहती है जो हमारे बीच रहकर सुरक्षा संबंधी सूचनाओं को दुश्मन देश को भेजने का काम कर सकते हैं अथवा जाति संप्रदाय और समाज के नाम पर तनाव उत्पन्न करने के षडयंत्रों में लगे रहते हैं। सोशल मीडिया को ढाल बनाकर गलत अफवाहें फैलाना आज के युग में सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है। उपरोक्त सभी हालातों को ध्यान में रखकर हमें पूर्व की अपेक्षा भविष्य में भी और अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। इन परिस्थितियों में हमें ध्यान रखना होगा कि हमारे बीच कोई ऐसा व्यक्ति तो नहीं है जो अचानक सक्रिय हो उठा है और उसे अपने क्षेत्र में पहले कभी नहीं देखा गया हो। यदि किसी जाने अनजाने व्यक्ति की कार्य प्रणाली अर्थात गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होती हैं तो इस बारे में पुलिस अथवा प्रशासन को तत्काल इत्तिला करना हमारा कर्तव्य होता है और दायित्व भी।

देश में ऐसे तत्वों की तादाद भी कम नहीं है जो सदैव ही सरकार और सेना को हतोत्साहित करने या फिर उनकी कार्रवाई पर सवालिया निशान चस्पा करने की फिराक में बने रहते हैं। चूंकि पूर्व में ऐसे कड़वे अनुभव हो चुके हैं। इसलिए अबकी बार जब शत्रु देश की अकल ठिकाने लगाने का काम हुआ तो सेटेलाइट से उपरोक्त सैन्य कार्रवाई के फोटो संकलित किए गए और वीडियो भी बनाए गए, जिन्हें इस अघोषित युद्ध के साथ-साथ प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से हमारे सेना प्रमुखों द्वारा समय-समय पर सार्वजनिक किया जाता रहा। नतीजतन इस बार समाज कंटक लोग अपनी हरकतों को अंजाम नहीं दे पाए। लेकिन यह आइंदा भी चुप रहेंगे, यह अपेक्षा करना श्वान की पूंछ के सीधे होने की कामना करने के समान है।

संभव है इनके द्वारा अब यह पूछा जाए कि सरकार ने पाकिस्तान को नेस्तनाबूद किए बगैर सैन्य कार्रवाई क्यों रोकी ? लेकिन सरकार इस बार उक्त षड्यंत्रकारियों से एक कदम आगे चलने की मंशा जाहिर कर चुकी है।

प्रधान मंत्री ने पूरी दमदारी के साथ यह ताकीद भी कर दिया कि अब खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते । टेरर के साथ ट्रेड और टॉक को भी एक साथ नहीं चलाया जा सकता। गाहे ब गाहे परमाणु बम चलाने की दी जाने वाली धमकियों पर अब कोई गौर नहीं होगा और ना ही भविष्य में न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग सहन की जाएगी। केवल सैनिक कार्यवाही स्थगित हुई है, पाकिस्तान पर लागू शेष बंदिशें यथावत जारी बनी रहेंगी। जहां तक ऑपरेशन सिंदूर की बात है तो खुद भारत सरकार और सेना स्पष्ट कर चुके हैं कि यह खत्म नहीं हुआ है । अभी इसे केवल स्थगित किया गया है, यह देखने के लिए कि जान माल का भारी नुकसान उठाने के बाद भी पाकिस्तान की अकल ठिकाने आ गई है अथवा नहीं। देश की तीनों सेनाएं अलर्ट पर हैं, यदि उस ओर से जरा सी भी जुंबिश होती है तो फ़िर सीमा के पार आफत बरसनी तय है।

जहां तक युद्ध के साथ बुद्ध को भी प्राथमिकता में बनाए रखने की बात है तो भारत एक जिम्मेदार देश है। पूरा विश्व भारत और भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से काफी उम्मीदें लगाए हुए है। अभी हम विश्व की पांच मुख्य अर्थ व्यवस्थाओं में से एक हैं। जल्दी ही दुनिया की तीन प्रमुख अर्थ व्यवस्थाओं में से एक का तमगा हासिल करना हमारा आगामी लक्ष्य है। विकास की इस गति ने चीन और पाकिस्तान जैसे हमारे शत्रु देशों को हलाकान कर रखा है। यह दोनों कतई नहीं चाहेंगे कि भारत इसी प्रकार शांत रहते हुए विश्व स्तर पर अपनी धमक और अधिक मजबूत बना सके। संभव है इनके द्वारा पहलगाम में जो नापाक हरकत की गई, वह इसी षड्यंत्र का एक प्रमुख हिस्सा थी। संभवतः शत्रु देश चाहते थे कि भारत युद्ध की विभीषिका में उलझकर विकास के पथ से भटक जाए। किंतु हुआ उल्टा, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने तीनों सेनाओं के हाथ खुले रखते हुए उन्हें फ्री हैंड देकर पाकिस्तान की फजीहत सुनिश्चित कर दी और मात्र तीन-चार दिन की सैन्य कार्रवाई में उसके होश भी ठिकाने लगा दिए। अब हम सुरक्षा और विकास के बीच बेहतर संतुलन स्थापित करते हुए पहले की तरह एक बार फिर द्रुत गति से आगे बढ़ चले हैं। इस संकल्प के साथ कि हम अपनी ओर से किसी को छेड़ेंगे नहीं और यदि किसी ने हमें छेड़ा तो फिर हम उसे कदापि नहीं छोड़ेंगे।

देवगढ़ पुलिस ने दबोचा फरार आरोपी

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना/जौरा। थाना देवगढ़ अंतर्गत हत्या के प्रयास के एक फरार 3000 रूपए के आरोपी को पुलिस ने पकड़ने में सफलता हासिल की है। थाना प्रभारी अरुण सिंह को मुखबिर द्वारा सूचना दी गई कि अपराध क्रमांक 7 सन 2025 हत्या के प्रयास का फरार आरोपी कल्ला उर्फ कमल किशोर सिकरवार निवासी छिंनवरा गांव में छुपा हुआ है जिस पर से थाना प्रभारी ने पुलिस स्टाफ विपिन कुमार, चंद्रशेखर, दिलीप, नरेंद्र, बांकेलाल, नारायण, रजनी आदि को लेकर मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंचकर 3000 के फरार हत्या के प्रयास के आरोपी कमल किशोर सिकरवार को पकड़ने में सफल हासिल की।

कार्य में लापरवाही बरतने पर एएसएलआर तत्काल प्रभाव से निलंबित

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। विगत दिवस जनसुनवाई के दौरान भू-अभिलेख शाखा से संबंधित आवेदन कलेक्टर अंकित अस्थाना के संज्ञान में आये। कलेक्टर ने इस संबंध में एएसएलआर नरेन्द्र कुमार पाण्डेय को समक्ष में बुलाने के आदेश कर्मचारियों को दिये। कलेक्टर ने पाया कि एएसएलआर नरेन्द्र कुमार पाण्डेय जनसुनवाई में मौजूद नहीं थे। कलेक्टर ने जनसुनवाई उपस्थिति के पत्रक बुलवाकर देखा एवं उनके द्वारा पाया गया कि एएसएलआर जनसुनवाई में मौजूद नहीं रहते है और कार्यालय से बिना बताये निकल जाते है।उनका यह कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम विपरीत है एवं शासकीय कार्य के प्रति लापरवाही एवं अवहेलना अनुशासनहीनता एवं स्वेच्छाचारिता को दर्शाता है। इन सब आरोपो को मानते हुये कलेक्टर अंकित अस्थाना ने सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख नरेन्द्र कुमार पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिये है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मुरैना रहेगा।

आतंकवाद के सफाया के लिए संकल्पबद्ध मोदी जी का

- सुरेश पचौरी

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले ने पूरे भारत देश को झकझोर दिया। यह भारत की अंतरात्मा पर भी किया गया आक्रमण था। निर्दोष नागरिकों की उनके परिवारों के सामने हत्या, उनके धर्म के आधार पर, आतंक और क्रूरता का भयानक चेहरा था। यह देश की एकता और सौहार्द को तोड़ने का एक शर्मनाक प्रयास था। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे देश ने एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की माँग की। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय सेनाओं को पूरी स्वतंत्रता दी गई कि वे आतंकवादियों का खात्मा करें।

भारत द्वारा लिए गए फैसले के अनुसार अटारी-वाघा सीमा बंद कर दी गई । द्विपक्षीय व्यापार निलंबित कर दिए गए। वीजा रद कर दिए गए। सिंधु जल संधि को रोक दिया गया । प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सुनिश्चित किया कि सिंधु जल संधि को निलंबित करने से लेकर आतंकी शिविरों पर सैन्य प्रहार करने तक का हर कदम सावधानीपूर्वक, योजनाबद्ध और समयबद्ध तरीके से उठाया जाएगा। इस संदर्भ में सरकार ने उत्तेजना में कार्रवाई करने के बजाय रणनीतिक रूप से ऑपरेशन सिंदूर के जरिए ठोस कार्रवाई के रास्ते को चुना। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक नाम नहीं, यह देश के करोड़ों लोगों की भावनाओं का प्रतीक बनकर सामने आया। 6 मई की रात और 7 मई की सुबह, भारत ने आतंक के खिलाफ अपनी प्रतिज्ञा को साकार किया। भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान में आतंकियों के 9 ठिकानों पर और उनके प्रशिक्षण केंद्रों पर सटीक हमला किया, जिनमें प्रमुख है 1 सवाई नाला कैंप मुजफ्फराबाद, 2 सैयदाना बिलाल कैंप, मुजफ्फराबाद (जैश-ए-मोहम्मद का प्रशिक्षण केंद्र) 3 बरनाला कैंप, बीरबगढ़ 4 अब्बास कैंप, कोटली (एलईटी का फिदायीन प्रशिक्षण केंद्र) 5 सरजाल कैंप, सियालकोट 6 मेहमूना जया कैंप, सियालकोट 7 गुलपुर कैंप, कोटली, 8 मरकज तैयबा, मुरीदके (26/11 के हमलावरों का प्रशिक्षण केंद्र) 9 मरकज सुभान अल्लाह, बहावलपुर (जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय) जिसे एयर फोर्स ने ध्वस्त किया ।

जब देश एकजुट होता है और नेशन फर्स्ट की भावना से काम करता है, तो ऐसे मजबूत निर्णय और परिणाम सामने आते हैं। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान के भीतर 100 किमी तक घुसकर कार्यवाही की। यह भारत की सैन्य क्षमता, राजनीतिक इच्छाशक्ति और राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। इस ऑपरेशन में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। मारे गए प्रमुख आतंकियों में 1 मुदस्सर कादियान उर्फ अब्बू जुंदाल (एलईटी), 2 हाफिज मोहम्मद जमील (जेईएम), 3 मसूद अजहर का साला, 4 मोहम्मद यूसुफ (खालीद अजहर उर्फ उस्ताद और आईसी-814 हाइजैकिंग का आरोपी) 5 खालिद उर्फ अब्बू अक्का खालिद (एलईटी) शामिल हैं। भारत ने इन आतंकियों को एक ही बार में खत्म कर दिया । इनके अंतिम संस्कार में पाक के आर्मी चीफ व पाक सरकार के नुमाइंदों का शामिल होना इस बात की पुष्टि करता है कि पाक सरकार आतंकवाद पोषक है । भारत की मजबूत सैन्य शक्ति, भारत के मिसाइलों और ड्रोन ने पाकिस्तानी एयरबेस को भारी नुकसान पहुँचाया । भारत ने राफेल, सुखोई, ब्रह्मोस, एस-400, एस-125, स्कल्प मिसाइल, हेमर मिसाइल बम का जहॉं एक ओर इस्तेमाल किया वहीं स्वदेशी निर्मित आकाश मिसाइल, समर, नागास्त्र का इस्तेमाल करके पाकिस्तान के अनेक ड्रोन्स व मिसाइल नष्ट कर दिये । डीआरडीओ के अभेद्य रक्षा कवच ने पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया । भारत का एयर डिफेंस सिस्टम सक्षम रहा और भारत निर्मित हथियारों और मिसाइलों की श्रेष्ठता साबित हो गई ।

भारतीय सेना द्वारा सतर्कता बरती गई कि पाकिस्तान के किसी नागरिक, सैन्य और आर्थिक ठिकाने पर निशाना लगाने के बजाय सिर्फ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया जाए । इस तरह दुनिया में किसी को इसके विरोध में कुछ कहने का मौका नहीं रह गया। चीन तक समझ नहीं पा रहा कि भारत के इस कदम को कैसे गलत ठहराया जाए । भारतीय सेना ने पाक के जिन नौ आतंकी ठिकानों पर हमले किए, उनमें से चार पाक अधिकृत कश्मीर में और बाकी उसके पंजाब प्रांत में स्थित थे। शायद पाकिस्तानी सेना को अंदाजा नहीं था कि भारतीय सेना पंजाब प्रांत के भीतर भी हमला कर सकती है। पाक के 11 हवाई अड्डे भारतीय सेना द्वारा मिट्टी में मिला दिए गए, जिनमें प्रमुख थे बहावलपुर, नूरखान, जैकोबाबाद, सरगोधा, मुरीद, सुक्कुर, सियालकोट, पसरूर, चुनियान, स्कारू, भुलारी ।

आपरेशन सिंदूर के बाद भारत को कूटनीतिक कामयाबी मिली है । पहलगाम हमले के तुरंत बाद भारत ने पाकिस्तान की कूटनीतिक घेराबंदी कर दी । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लगभग 20 देशो के राष्ट्रध्यक्षो से बात कर पाक द्वारा पोषित आतंकबाद की जानकारी दी। उन्होनें अमेरिका, साउदी अरब, यू.ए.ई. जैसे बड़े देशो का समर्थन हासिल किया। आज पाकिस्तान कूटनीतिक दृष्टि से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग पड़ चुका है।यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आतंकवाद के विरुद्ध भारत की लड़ाई में सभी राजनीतिक दलों ने अपनी वैचारिक असहमतियों से ऊपर उठकर एकजुटता दिखाई है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाले सक्षम भारत की सशक्त तस्वीर ही है कि पाकिस्तान चार दिनों में ही घुटनों पर आ गया। दस मई को पाकिस्तान के 11 हवाई अड्डे धुआं-धुआं हो जाने के बाद पाक सरेंडर कर सीजफायर के लिए अपने डीजीएमओ के जरिए गुहार करने लगा। भारत ने दो टूक फैसला किया कि भविष्य में अगर आतंकी हमला हुआ तो उसे एक्ट ऑफ वार माना जाएगा और उसका जवाब भी उसी भाषा में दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने देश के नाम अपने संबोधन में कहा कि आपरेशन सिंदूर केवल एक नाम नहीं है, बल्कि यह देश के लाखों लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है। इसके माध्यम से दुनिया को भारत की ओर से यह संदेश दिया गया कि बर्बरता का सामना संतुलित और सटीक बल प्रयोग से किया जाएगा। आतंकवाद के साथ पड़ोसी देश की साठगांठ अब कूटनीतिक आवरण या परमाणु हथियारों की धमकियों से जुड़ी बयानबाजी के पीछे नहीं छिप सकेगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जोर देकर कहा है कि पाकिस्तान की सेना और सरकार ने लगातार आतंकवाद को बढ़ावा दिया है । उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की कार्रवाइयां अंततः पाकिस्तान के पतन का कारण बनेंगी। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा है कि अगर पाकिस्तान को अपना अस्तित्व बचाना है, तो उसे अपने आतंकी ढांचे को खत्म करना होगा - शांति का कोई दूसरा रास्ता नहीं है। उन्होंने भारत के अटूट संकल्प की पुष्टि करते हुए कहा कि टेरर और टॉक एक साथ नहीं चल सकते, टेरर और ट्रेड साथ-साथ नहीं चल सकते, और खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते । प्रधानमंत्रीजी ने स्पष्ट किया है कि पाक से बातचीत का केवल एजेण्डा होगा आतंकवाद की समाप्ति और पाक अधिकृत कश्मीर।

इतिहास याद रखेगा कि पहलगाम के जवाब में भारत की प्रतिक्रिया संयमित और समयानुकूल रही। आतंकवाद के विरुद्ध भारत ने मजबूती से खड़े होकर एक सुर में बात की। रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह जी ने भी स्पष्ट किया कि आपरेशन सिंदूर जारी है। यह स्पष्टता, साहस और आतंकवाद से निपटने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के एक नए युग का आरंभ है।

ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान और उसकी पनाह में पल रहे आतंकियों को सबक सिखाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने देश के नाम संदेश दिया और अगले दिन आदमपुर एयरबेस पहुंचे। प्रधानमंत्री के संदेश व आदमपुर एयरबेस पहुंचने के अपने निहितार्थ हैं। आदमपुर एयरबेस पर प्रधानमंत्री मोदी जी का पहुंचना जहॉं वीर सेनिको की हौसला आफजाई करना था वहीं पाकिस्तान के इस दावे की भी कलई खोलना था कि आदमपुर एयरबेस को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

देश के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि 'भारत किसी भी परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं करेगा। बीते दिनों में हमारे देश का सामर्थ्य और उसका संयम दुनिया ने देखा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं हमारे देश की हर माता को, देश की हर बहन को और देश की हर बेटी को यह वीरता, साहस और पराक्रम समर्पित करता हूं। सबसे पहले मैं भारत की पराक्रमी सेनाओं, सशस्त्र बलों, हमारी खुफिया एजेंसियों, हमारे वैज्ञानिकों को हर भारतवासी की तरफ से सलाम करता हूं। हमारे वीर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए असीम शौर्य का प्रदर्शन किया है, जिसके लिए कृतज्ञ भारत ऋणी है।

(लेखक भारत सरकार में रक्षा उत्पादन राज्य मंत्री रहे हैं)

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मध्यप्रदेश में उद्योगों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्धः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जनविश्वास अधिनियम, एकीकृत सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और भरोसेमंद बनाया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में विकसित किये जा रहे पीएम मित्रा टेक्सटाईल पार्क (धार), नर्मदापुरम मेन्युफैक्चरिंग ज़ोन, रीवा, इंदौर एवं उज्जैन मे नई आईटी परियोजनाओं, उज्जैन में 5 जून 2025 को %स्पिरिच्युअल एवं वेलनेस समिट% एवं अन्य क्षेत्र जैसे फार्मा, माइनिंग, कृषि, डेयरी, नवकरणीय ऊर्जा आदि संभावनाओं के बारे मे निवेशकों को अवगत कराया जा रहा है। निवेश को आकर्षित करने, उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहन देने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिये %उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025% अंतर्गत आज बेंगलुरु में हमने भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (क्ष्क्षरू) के साथ भूमि आवंटन और %इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश% विषय पर सफल इंटरेक्टिव सेशन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बेंगलुरू में आज भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड को प्रदेश के रायसेन के ग्राम उमरिया में 148 एकड़ भूमि आवंटन का पत्र सौपा। रायसेन में 1800 करोड़ रूपये की लागत से एक अत्याधुनिक रेल कोच निर्माण परियोजना स्थापित की जाएगी। परियोजना से प्रदेश में रेल मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूती मिलेगी, साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी का नेतृत्व और भारतीय सेना का शौर्य अभिनंदनीय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देश के वर्तमान परिदृश्य की चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर मजबूत हो रहा है। प्रधानमंत्री का नेतृत्व और भारतीय सेना का शौर्य अभिनंदनीय है। भारतीय सेना ने पाकिस्तानी हथियारों को करारा जवाब देकर 3 से 4 दिन में ही युद्ध जीत लिया। हमारी तीनों सेनाओं ने अपनी सीमा में रहते हुए अतुलनीय क्षमता का प्रदर्शन किया। पहलगाम हमले के दोषियों को सबक सिखाने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सेनाओं को खुली छूट दी। इस घटनाक्रम से भारत ने नए दौर में प्रवेश किया है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर बंद नहीं होगा और लगातार चलता रहेगा। जब भी कोई हमला होगा, उसकी तुरंत प्रतिक्रिया दी जाएगी। पाकिस्तान पर पहली स्ट्राइक में हमारे सैनिक उस पार गए और टारगेट को खत्म कर सुरक्षित वापस आ गए। दूसरी स्ट्राइक में पाकिस्तान को हमारे पायलट अभिनंदन वर्धमान को सम्मानपूर्वक लौटाना पड़ा। अब तीसरी स्ट्राइक में पाकिस्तान की हार हुई।

एक माह में होगा रेल कोच निर्माण इकाई का भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि एक माह में रायसेन जिले में रेल कोच निर्माण इकाई के लिए भूमि-पूजन किया जाएगा। प्रदेश में नए उद्योगों की स्थापना के लिए सभी कार्य समयबद्ध तरीके से किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेंगलुरू में निवेशकों की ओर से मिले रिस्पांस के लिये कनार्टक की राजधानी बेंगलुरू में पधारे सभी इंवेस्टर्स को धन्यवाद देता हूँ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन्वेस्टर्स ने मध्यप्रदेश की नीति पर भरोसा जताया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश को लेकर आज बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में शानदार प्रतिक्रिया मिली। पिछले दौरे में मिले प्रस्ताव अब धरातल पर उतर रहे हैं। सभी विभागों की दृष्टि से मध्यप्रदेश देश का सबसे तेजी से आगे बढ़ता राज्य है। एनर्जी, आइटी, रियल एस्टेट, रेडीमेड गारमेंट्स और टूरिज्म जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पर्यटन तो हमारा प्रिय निवेश क्षेत्र है। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर निवेशक आ रहे हैं। आज बेंगलुरू से रेलवे कोच बनाने वाली कम्पनी बीईएमएल ने लगभग 2 हजार करोड़ का निवेश मध्यप्रदेश में करते हुए भविष्य में रेल के सभी कोच (डब्बे) बनने का काम करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की उद्योग हितैषी नीतियों के कारण उम्मीद से ज्यादा सफलता मिल रही है।

इंटरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंटरैक्टिव सेशन में इसमें टेक्सटाइल में बेस्ट कॉर्पोरेशन के एम डी श्री आर राजकुमार, नॉइज समूह के डायरेक्टर श्री मनीष सिंह चौहान, आईटी सेक्टर में एएनएसआर जीसीसी के सीईओ श्री ललित आहूजा, ओरेकल कार्पोरेशन की नेशनल हेड (पॉलिसी) सुश्री अश्लेशा खान्देपरकर, इलेक्ट्रिक इक्विपमेंट्स सेक्टर में लैप इंडिया के एमडी श्री सुमित मिश्रा, हिन्दुस्तार कोका कोला के सीईओ श्री हर्ष भूटानी, हॉस्पिटालिटी सेक्टर में रॉयल ऑर्केड के संस्थापक एमडी श्री चंदेर बालजी, जीआईबीएस बिजनेस स्कूल के संस्थापक एमडी श्री रितेश गोयल और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में ग्रीनको के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री बंडारू नरसिम्हा राव से वन-टू-वन चर्चा की।

बेंगलुरू में हुए %इंटरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेश% संवाद सत्र में उद्योग जगत के 250 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सत्र में प्रदेश निवेश संभावनाओं, नई निवेश नीतियों, इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर व्यापक प्रेजेंटेशन दिए गए।

3 कंपनियों के प्रतिनिधियों ने किये अनुभव साझा

इंटरैक्टिव सेशन में निवेशकों ने मध्यप्रदेश में उपलब्ध संसाधनों और सुविधाओं की प्रशंसा की। सेशन में श्री सुमित मित्रा, एमडी, लैप इंडिया, श्री शांतनु रॉय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बीईएमएल और सुश्री स्मिथा हेम्मिगे, एमडी मार्केटिंग, एएनएसआर ने मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं और उनके द्वारा प्रदेश में स्थापित की जाने वाली इकाईयों के संबंध में राज्य सरकार से मिली सुविधाओं के अपने अनुभव साझा किये।

हाईकोर्ट परिसर में अंबेडकर की मूर्ति लगाने पर विवाद

ग्वालियर। हाईकोर्ट परिसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाए जाने को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। वकीलों के दो पक्ष आमने-सामने आ गए हैं। एक पक्ष बुधवार को बाबा साहब की मूर्ति को लेकर हाईकोर्ट पहुंच गया। उनका कहना है कि उनके पास अनुमति है और आज 14 मई को मूर्ति की स्थापना की जानी है। जैसे ही क्रेन के जरिए मूर्ति लगाने का प्रयास शुरू हुआ तो दूसरे पक्ष हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने इसका विरोध करते हुए हंगामा कर दिया। तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए हाईकोर्ट के अंदर और बाहर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। हालात ऐसे हो गए कि सुनवाई के लिए पहुंचे पक्षकारों को बाहर ही बैठना पड़ा।

दरअसल मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में जैसे ही बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति लगाए जाने की बात सामने आई, विवाद शुरू हो गया। बार एसोसिएशन का कहना है कि हाईकोर्ट की सात सदस्यीय बिल्डिंग कमेटी ने परिसर में मूर्ति लगाए जाने की अनुमति नहीं दी है। इसके बावजूद अंबेडकर के अनुयायी वकीलों का एक गुट मूर्ति लेकर हाईकोर्ट पहुंच गया। मूर्ति लगाने

के पक्ष में खड़े वकीलों का कहना है कि बाबा साहब भारत रत्न से सम्मानित हैं। उन्होंने भारतीय संविधान की रचना की है, ऐसे में उनकी मूर्ति हाईकोर्ट परिसर में स्थापित करने से लोगों को संविधान के जरिए न्याय पाने की प्रेरणा मिलेगी। लेकिन जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं, वह नहीं जानते कि वे असंवैधानिक काम कर रहे हैं और यह सीधे तौर पर बाबा साहब का विरोध है। वहीं ग्वालियर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट अनिल मिश्रा का कहना है कि यदि हाईकोर्ट परिसर में कोई भी मूर्ति स्थापित की जानी है, तो उसके लिए बिल्डिंग कमेटी की अनुमति जरूरी है, जो इस मामले में नहीं ली गई। मूर्ति लगाने का काम सिर्फ पीडब्ल्यूडी विभाग कर सकता है। लेकिन उसके पहले मूर्ति का टेंडर जारी होने की अनुमति देनी होगी। शासन से अनुमति लेकर टेंडर जारी करना आवश्यक होता है। उनका आरोप है कि यह मूर्ति भ्रष्टाचार के पैसे से कुछ असामाजिकतत्व हाईकोर्ट परिसर में लगाना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिस स्थान पर मूर्ति लगाने की कोशिश की जा रही है वहां 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' स्थापित कर दिया गया है। देश में राष्ट्रीय ध्वज से बड़ी कोई भी मूर्ति नहीं हो सकती। यदि इसके बावजूद मूर्ति लगाई जाती है, तो इससे ग्वालियर ही नहीं, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश में सामाजिक सौहार्द बिगड़ सकता है और 2 अप्रैल जैसे जातिगत उपद्रव की स्थिति बन सकती है। इस मामले में उच्च न्यायालय अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष हरीश दीवान का कहना है कि उच्च न्यायालय परिसर ग्वालियर मे संविधान निर्माता डा. भीमराव अम्बेडकर की मूर्ती लगाने एव मूर्ती स्थल पर राष्ट्रीय ध्वज को लगाने से वकील दो गुटों में बंटने से वर्षो से चली आ रही वकीलों की एकता को खतरा उत्पन्न होने लगा है। उन्होंने कहा कि वकीलों में उत्पन्न विवाद में हाईकोर्ट के प्रशासनीक न्यायमूर्ति हस्तक्षेप कर शीघ्र विवाद का निराकरण करें। वहीं एडवोकेट विश्वजीत रतौनिया ने कहा कि बाबा साहब इस देश का राष्ट्रीय महत्व का विषय है। इसलिए सभी अधिवक्ता साथियों को साथ में आकर मूर्ति की स्थापना में योगदान देना चाहिए, ताकि ग्वालियर में न्याय की भावना स्थापित हो सकें।

सेवानिवृत्त पीएचई कर्मचारी की स्कूटी की डिग्गी से एक लाख पार

ग्वालियर। बैंक से रुपए निकालकर लाए सेवानिवृत्त पीएचई कर्मचारी का घर तक दो चोरों ने पीछा किया और उनकी डिग्गी से एक लाख रुपए के साथ ही अन्य जरूरी दस्तावेज पार कर ले गए। घटना बहोड़ापुर थान क्षेत्र के शिव शक्ति नगर मोतीझील इलाके की है। घटना का पता उस समय चला जब पीडित बाहर आया तो दोनों युवक स्कूटी से पैसे निकालकर भाग रहे थे। पीडित ने शोर मचाया, लेकिन उससे पहले ही चोर भाग निकले। घटना का शिकार पीडित थाने पहुंचे और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के शिव शक्ति नगर मोतीझील निवासी 72 वर्षीय सोबरन सिंह उर्फ लल्ले सिंह तोमर पुत्र केदार सिंह तोमर पीएचई से सेवानिवृत्त कर्मचारी है। कुछ दिन बाद उनकी बहन की बेटी की शादी है और शादी में भात देने के लिए उन्होंने बैंक से बीते रोज एक लाख रुपए निकाले थे। रुपए निकालने के बाद वापस घर पहुंचे

और स्कूटी खड़ी कर बेटे को आवाज लगाई, क्योंकि वह सीढ़ी नहीं चढ़ पाते है। जब तक उनका बेटा नीचे आया, दो युवक अपाचे बाइक से उनकी स्कूटी के पास पहुंचे और स्कूटी से बैग चोरी कर ले गए। उन्होंने और उनके बेटे ने शोर मचाया, साथ ही बदमाशों का पीछा किया, लेकिन बदमाश अपाचे बाइक को गति देकर भाग निकले। वारदात का शिकार पीडित थाने पहुंचे और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बैंक पर लगे सीसीटीवी खंगाले तो वारदात को अंजाम देने वाले दोनों चोर सीसीटीवी में कैद हुए है, जो पीडित का पीछा करते हुए उनके घर तक आए थे और वारदात को अंजाम देकर गए है। अब पुलिस सीसीटीवी कैमरों के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है।

भाई से मिलने आया अधेड़ लापता

पत्नी व बच्चों के साथ भाई से मिलने के लिए आया अधेड़ लापता हो गया है। घटना पड़ाव थाना क्षेत्र के ख्वाजा खानून की दरगाह के पास की है। अधेड़ के लापता होने का पता चलते ही परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला तो परिजन थाने पहुंचे और गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर अधेड़ की तलाश शुरू कर दी है। श्रुति इन्क्लेव ख्वाजा खानून की दरगाह के पास रहने वाले रविन्द्र कुशवाह ने शिकायत की है कि सात मई को उनके भाई रामू उर्फ रामेन्द्र अपने परिवार के साथ उनके घर पर रहने आए थे। 9 मई को वह अचानक बिना बताए कहीं चले गए है। काफी तलाश के बाद भी उनका पता नहीं चला तो पुलिस से शिकायत की है।

नींद की गोलियां खिला डेढ़ लाख के जेवर ले गई महिला चोर

ग्वालियर। बहन की बेटी के यहां आयोजित शादी में शामिल होकर वापस घर लौट रही एक महिला को एक अन्य महिला ने भरोसे में लेकर नींद की गोलियां खिलाकर बेहोश किया और डेढ़ लाख रुपए कीमत के जेवर चोरी कर ले गई। घटना कंपू थाना क्षेत्र के जयारोग्य अस्पताल स्थित न्यूरोलॉजी के सामने की है। घटना का पता उस समय चला जब अस्पताल के गार्ड ने महिला को बेहोश देखा तो पानी के छींटे मारकर होश में लाया और मामले का पता चलते ही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है।

डबरा देहात स्थित बृजपुर वार्ड क्रमांक दो निवासी 58 वर्षीय कैलाशी बाई गृहिणी है और उसके पति मुन्नालाल मौर्य किसान हैं। 29 अप्रैल को कैलाशी बाई गणेशपुरा में बहन की बेटी के घर शादी में शामिल होने आई थी। शादी में शामिल होने के बाद जब सभी रिश्तेदार जाने लगे तो कैलाशी बाई भी घर जाने की कहकर निकली थी। जिस पर उसकी बहन के बेटे ने उसे टेम्पो में बिठा दिया। उसके टेम्पो में सवार होते ही एक अन्य महिला उसके बगल में आकर बैठ गई। कुछ देर बाद महिला ने उससे बातचीत की और पूछा कि वह कहां पर जा रही है, तो उसने बताया कि वह डबरा जा रही है, तो महिला ने भी बताया कि वह भी डबरा जा रही है। इसके बाद महिला ने उसका टेम्पो का किराया दे दिया।

टेम्पो से उतरते समय कैलाशीबाई की कमर में दर्द हुआ तो अज्ञात महिला उसे लेकर अस्पताल पहुंची और उसे न्यूरोलॉजी के पास बिठाकर दवा लेने चली गई। कुछ देर बाद वह वापस आई और उसे छोटी-छोटी छह गोलियां खिलाईं और बताया कि इसके बाद उसे दर्द की शिकायत बंद हो जाएगी। गोलियां खाते ही कैलाशी बाई बेहोश हो गई और काफी देर बाद जब होश आया तब वहां पर मौजूद गार्ड ने उसे झकझोरा और उस पर पानी के छींटे मारे, तब वह होश में आई। तभी पता चला कि महिला उसके गले से मंगलसूत्र, कानों के फूल, आधा किलो चांदी के कड़े और दो हजार रुपए नकदी गायब है। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। चोरी गए माल की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए से ज्यादा की है।

बारिश के मौसम में वृहद स्तर पर पौधारोपण के लिए तैयारी शुरू करें : निगमायुक्त

ग्वालियर। बारिश के मौसम में शहर में वृहद स्तर पर पौधारोपण् के

लिए अभी से तैयारी शुरू करें तथा शहर के आसपास उपलब्ध पहाड़ी क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां गड्डे इत्यादी पहले से ही करा लिए जाऐं। जिससे एक या दो बारिश होने के उपरांत उनमें पौधारोपण किया जा सकें। यह निर्देश बुधवार को निगम आयुक्त संघप्रिय ने शहर के पार्कों की व्यवस्था को लेकर पार्क विभाग की समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिये।

बैठक में निगमायुक्त ने शहर के सभी पार्कों में साफसफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी प्रमुख पार्कों में नियमित रूप से सफाई हो तथा अन्य पार्कों में भी आवश्यकतानुसार रोस्टर से सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके लिए कुछ पार्कों में पार्क विभाग तथा अन्य पार्कों में स्वास्थ्य विभाग के सफाई कर्मचारियों द्वारा सफाई व्यवस्था कराई जाये। इसके साथ ही शहर के सभी पार्कों का डिजिटलाइज डेटा तैयार कराने को लेकर भी चर्चा की गई तथा आवश्यक प्रस्ताव तैयार कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में शहर के सभी डिवाइडरों पर पौधारोपण एवं ग्रीनरी को लेकर निगमायुक्त संघप्रिय ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्लांटेशन उपरांत नियमित रूप से उनको पानी देना एवं रखरखाव की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। बैठक में अपर आयुक्त विजय राज, कार्यपालन यंत्री पवन सिंघल, मुख्य स्वच्छता अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव, पार्क अधीक्षक कार्तिक पटेल, सहायक यंत्री अजय शाक्यवार सहित सभी पार्क पर्यवेक्षक उपस्थित थे।

निगमायुक्त ने किया क्षेत्रीय कार्यालय का औचक निरीक्षण

ग्वालियर। निगम आयुक्त संघ प्रिय ने बुधवार को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 13 का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित कर्मचारियों की जानकारी भी ली। निगम आयुक्त संघप्रिय द्वारा नगर निगम के विभिन्न कार्यालय एवं विकास कार्यो का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को निगमायुक्त संघप्रिय क्षेत्रीय कार्यालय

क्रमांक 13 पहुंचे और निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त द्वारा जोन कार्यालय पर उपस्थित कर्मचारियों की उपस्थिति चेक की गई तथा सभी कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सार्थक एप के माध्यम से प्रतिदिन समय पर उपस्थिति दर्ज करें। इसके साथ ही अन्य व्यवस्थाओं की भी जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

रंगदारी में फायरिंग करने वाले तीन आरोपी पकड़े

ग्वालियर। पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए पांच बदमाशों ने एक युवक की मारपीट कर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। घटना इंदरगंज थाना क्षेत्र के निर्धन नगर में मंगलवार रात की है। वारदात को अंजाम देकर बदमाश भाग निकले। माामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बदमाशों की तलाश में दबिश देकर तीन बदमाशों को दबोच लिया, लेकिन दो बदमाश मौका पाकर फरार हो गए। अब पुलिस फरार हुए बदमाशों की तलाश में दबिश दे रही है।

इंदरगंज थाना क्षेत्र के निर्धन नगर निवासी आबिद पुत्र अब्दुल रज्जाक पठान बीते रोज अपने घर के बाहर खड़ा था। तभी वहां पर पास ही रहने वाले टेम्पो उर्फ अकरम तथा उसका भाई आशिक खान आए और पुरानी रंजिश पर उससे गाली गलौज करना शुरू कर दिया। जब उसने विरोध किया तो आरोपियों ने उसकी मारपीट कर दी। उस समय आसपास के लोगों के आने पर मामला शांत हो गया। कुछ देर बाद आरोपी फिर वापस आए और उसे जान से मारने की धमकी दी और अपने साथियों लड्डू, आर्यन और आयुष को बुला लिया। इनके आते ही एक बार फिर विवाद हो गया और आरोपियों ने आबिद की मारपीट कर दी। जब लोग उन्हें बचाने के लिए आए तो हमलावरों ने फायरिंग कर दी। अचानक हुई घटना से लोग सहम गए। इसके बाद आरोपी वहां से भाग निकले। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में दबिश दी तो आर्यन, आयुष और टेम्पो उर्फ अकरम को पकड़ लिया है। जबकि लड्डू और आशिक फरार हो गए है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। रंगबाजी में मारपीट व फायरिंग करने वाले बदमाशों को जब पुलिस ने हिरासत में लेकर हवालात में दाखिल किया, उनकी सारी हेकड़ी निकल गई और अपनी गलती पर माफी मांगने लगे।

बगैर परमिट व फिटनेस के चल रहे 15 वाहनों से वसूला साढ़े 33 हजार का जुर्माना

ग्वालियर । जिले में बगैर परमिट व फिटनेस के चल रहे वाहनों के खिलाफकलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर विशेष मुहिम चलाई जा रही है। मुहिम के दूसरे दिन यानि बुधवार को राजस्व, यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा बगैर परमिट व बिना फिटनेश के संचालित यात्री वाहनों व स्कूल वाहनों की सघन जांच कर कार्रवाई की गई। इस दौरान ओवर लोडेड व डिजिट नम्बर प्लेट न पाए जाने पर 15 यात्री ध् स्कूली वाहनों से 33 हजार 500 रूपए का जुर्माना वसूला गया। साथ ही बगैर फिटनेस व परमिट के मिले 4 वाहन जब्त कर पुलिस अभिरक्षा में खड़े कराए गए हैं। इन वाहनों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के प्रावधानों के तहत भी कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। बुधवार को संयुक्त टीम ने ग्वालियर शहर में गोला का मंदिर चौराहा व आकाशवाणी तिराहे पर चौकिंग प्वॉइंट लगाकर वाहनों की जाँच की। कार्रवाई के लिए गई संयुक्त टीम में तहसीलदार कुलदीप दुबे, नायब तहसीलदार संजय अगरैया तथा हरनाम सिंह, यातायात अधीक्षक अभिषेक रघुवंशी व परिवहन निरीक्षक प्रदीप नाहर शामिल थे।

आईएफएस सेंगर ने ग्वालियर वन वृत्त का पदभार ग्रहण किया

– स्टाफ की बैठक लेकर समय पर काम पूरा करने का दिया जोर

ग्वालियर। भारतीय वन सेवा अधिकारी सीसीएफअरविंद प्रताप सिंह सेंगर ने बुधवार को ग्वालियर वन वृत्त का चार्ज ले लिया है। यहां बता दें कि आईएफएस श्री सेंगर 2007 बैच के भारतीय वन सेवा के अधिकारी है और वह इससे पहले बालाघाट वन वृत्त में मुख्य वन संरक्षक के पद पर जिम्मेदारी संभाल रहे थे। जबकि ग्वालियर वन वृत्त का प्रभार शिवपुरी वन वृत्त के सीसीएफआनंद श्रीवास्तव के पास था।

उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को आईएफएस टीएस सूलिया सेवानिवृत्त हुये थे। उसके बाद से ही ग्वालियर वन वृत्त रिक्त था। लगभग डेढ माह बाद शासन ने ग्वालियर वन वृत्त का पद ही नहीं बल्कि सामाजिक वानिकी और वर्किंग प्लान इकाई में भी डीएफओ अधिकारियों की पदस्थापना की थी। करीब 20 दिन इंतजार के बाद सीसीएफ श्री सेंगर ने बुधवार को ग्वालियर वृत्त की कमान सम्हाल ली है। जबकि सामाजिक वानिकी में पंद्रह दिन पहले ही श्रीमीना अवधेश कुमार शिवकुमार ने चार्ज ले लिया था। अब कार्य आयोजना में लबित भारती पदभार लेने को रह गये है। इसके बाद ग्वालियर में भारतीय वन अधिकारियों के सभी पद भर जायेंगे। हालांकि सहायक वन संरक्षकों के आधा दर्जन पद रिक्त हैं। केवल एकमात्र एसडीओ फोरेस्ट दो-दो उपवनमंडल, अभ्यारण्य अधीक्षक एवं संलग्न अधिकारी का पद संभाल रहे हैं। इसी तरह सामाजिक वानिकी में भी सहायक वन संरक्षक का पद काफी समय से रिक्त है।

एलएनआईपीई की डॉ. मेघा साहू भारतीय जिम्नास्टिक टीम की मैनेजर नियुक्त

ग्वालियर। जिम्नास्टिक फेडरेशन ऑफ इंडिया ने लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय

शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) की सहायक प्रोफेसर डॉ. मेघा साहू को भारतीय जिम्नास्टिक टीम की टीम मैनेजर नियुक्त किया है, जो 16 से 18 मई तक सिंगापुर में आयोजित होने वाली 16वीं सीनियर और 21वीं जूनियर रिदमिक जिम्नास्टिक एशियाई चैम्पियनशिप में भाग लेंगी। भारतीय टीम 14 मई को नई दिल्ली से सिंगापुर के लिए रवाना हो गई है। वर्तमान में डॉ. मेघा एलएनआईपीई में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। वे गुजरात (2022), गोवा (2024) और उत्तराखंड (2025) में आयोजित राष्ट्रीय खेलों, खेलो इंडिया (2023) और विभिन्न राष्ट्रीय जिम्नास्टिक चैम्पियनशिप में मध्यप्रदेश जिम्नास्टिक टीमों की कोच और मैनेजर रही हैं। उनकी इस उपलब्धि पर संस्थान की कुलपति प्रो. इंदु बोरा और रजिस्ट्रार डॉ. संजीव यादव ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

निगम मुख्यालय पर महापौर लोकमंत्रणा आज

ग्वालियर। महापौर डॉ शोभा सतीश सिंह सिकरवार आमजनों की समस्याओं से रूबरू होकर उनका निराकरण समय सीमा में करने के उद्देश्य से आज 15 मई को सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक निगम मुख्यालय पर लोकमंत्रणा करेंगी। इस कार्यक्रम के तहत महापौर निगम के विभागीय अधिकारियों के साथ बैठकर आमजनों की समस्यायें सुनकर और उनका मौके पर निराकरण भी कराएंगी। सिटीसेन्टर स्थित निगम मुख्यालय के सभागार में ''महापौर लोकमंत्रणा'' कार्यक्रम के तहत आमजनों द्वारा जो समस्यायें बताई जायेंगी उनको पंजीबद्ध कर निराकरण किया जायेगा। साथ ही जिन समस्याओं का निराकरण समय सीमा में किया जाना है उनके निराकरण के पश्चात संबंधित आवेदक को निराकरण के संबंध में जानकारी भी दी जायेगी।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड ग्वालियर(म.प्र.)

फोन नं. 0751–2231257 ई–मेल eephedgwa@nic.in

क्रं. 1367 /नि0प्र0/का.यं./लोक स्वा. यॉ./खण्ड/2025–26/ग्वालियर दिनांक : 13/05/2025

निम्न कार्यो हेतु निविदा ऑन लाईन बेवसाइट **https://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 13.05.2025 से दिनांक 02.06.2025 सायं 06.00 बजे तक कय तथा दिनांक 13.05.2025 से दिनांक 02.06.2025 सायं 06.00 बजे तक ऑन लाईन प्रस्तुत किये जा सकते हैं। निविदा खुलने की दिनांक 04.06.2025 दोपहर 01.00 बजे से है।

निविदा सशोंधन की सूचना अलग से प्रकाशित नही की जायेगी । संशोधन संबंधी सूचनायें केवल वेबसाइट पर ही अपलोड की जावेंगी।

सक	नि.आ.सू. क/ दि	ई–टेण्डर आई डी	कार्य का संक्षिप्त विवरण	कार्य की अनुमानित लागत(PAC) रू. मे	प्रतिभूति राशि (EMD)रू. मे	ऑन लाइन निविदा फार्म का मूल्य रू. मे	आमंत्रण की संख्या
02	03/ 2025-26/ 13-05-2025	2025_PHED _422995_1	ग्वालियर जिले के विकासखण्ड डबरा एवं भितरवार के विभिन्न ग्रामो में नलकूप खनन से पूर्व भू-जल सुर्वेक्षण का कार्य। कार्य संख्या 150 नग	266000/-	5320.00	2000.00	प्रथम
02	04/ 2025-26/ 13-05-2025	2025_PHED _423000_1	ग्वालियर जिले के विकासखण्ड घाटीगांव एवं मुरार के विभिन्न ग्रामो में नलकूप खनन से पूर्व भू-जल सुर्वेक्षण का कार्य। कार्य संख्या 150 नग	266000/-	5320.00	2000.00	प्रथम

G12877/25

कार्यपालन यंत्री
लो. स्वा. यां. खण्ड ग्वालियर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक 1 ग्वालियर

फोन नं. 0751– 2371231 ईमेलः eepwd1gwl@nic.in

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 03/टी.सी./डी–1 ग्वा./2025–26 दिनांक 08/05/2025

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु नवीन निविदा प्रपत्र 2.10 पर आमंत्रण की सूचना क्र. 03 ग्वालियर दिनांक 08/05/2025 द्वारा प्रचलित भवन/पथ कार्यो की दर अनुसूची दिनांक 01.01.2024/11.04.2025 पर निविदायें लो.नि.वि. में केन्द्रीयकृत पंजीकृत ठेकेदार श्रेणी हेतु आमंत्रित की जाती हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। विभाग तकनीकी समस्याओं के लिए जिम्मेदार नही होगा। एवं किन्हीं कारणों से की जाने वाली परिवर्तन की सूचना वेवसाइड पर हीं देखें पृथक से प्रकाशित नहीं की जावेगी।

स.क्र.	टेन्डर आई.डी.	कार्य का नाम	(1) ठेके की अनु.लागत राशि रू (2) अमानत राशि	टेण्डर फार्म की राषि (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	1. पंजीयन श्रेणी
1	2025_PWDRB_421703_1	लो.नि.वि. मुख्यालय उपसंभाग क्रं.2 ग्वालियर के अन्तर्गत आवासीय भवनों में रिनोवेशन, मरम्मत, सीवर लाईन, वाटर सप्लाई एवं सेनेट्री फिटिंग इत्यादि कार्य।	1. 50.00 लाख 2. 50000/–	5000/– + (पोर्टल चार्ज)	दिनांक 31.03.2026	लो.नि.वि.में पंजीकृत ठेकेदार
2	2025_PWDRB_421704_1	लो.नि.वि. मुख्यालय उपसंभाग क्रं.2 ग्वालियर के , एचएफडब्ल्यूटी, नवीन कलेक्ट्रेट सेक्शन एवं माननीय न्यायालय भवन में रिनोवेशन एवं मरम्मत कार्य।	1. 49.99 लाख 2. 50000/–	5000/– + (पोर्टल चार्ज)	दिनांक 31.03.2026	लो.नि.वि.में पंजीकृत ठेकेदार
3	2025_PWDRB_421705_1	लो.नि.वि. मुख्यालय उपसंभाग क्रं.1 ग्वालियर के बंगला सेक्शन अन्तर्गत गाधी रोड़ स्थित व्ही.आई.पी. बंगलों में रिनोवेशन एवं अन्य मरम्मत कार्य।	1. 49.80 लाख 2. 50000/–	5000/– + (पोर्टल चार्ज)	दिनांक 31.03.2026	लो.नि.वि.में पंजीकृत ठेकेदार
4	2025_PWDRB_421706_1	लो.नि.वि. मुख्यालय उपसंभाग क्रं.1 ग्वालियर के एग्रीकल्वर सेक्शन अन्तर्गत रेसकोर्स रोड़ स्थित व्ही.आई.पी. बंगलों में रिनोवेशन एवं अन्य मरम्मत कार्य।	1. 49.80 लाख 2. 50000/–	5000/– + (पोर्टल चार्ज)	दिनांक 31.03.2026	लो.नि.वि.में पंजीकृत ठेकेदार
5	2025_PWDRB_421707_1	लो.नि.वि. विशेष कार्य उपसंभाग ग्वालियर के अन्तर्गत आवासीय भवनों में मरम्मत कार्य, रंगाई, पुताई एवं अन्य मरम्मत कार्य।	1. 49.98 लाख 2. 50000/–	5000/– + (पोर्टल चार्ज)	दिनांक 31.03.2026	लो.नि.वि.में पंजीकृत ठेकेदार
6	2025_PWDRB_421709_1	लो.नि.वि. पथ उपसंभाग ग्वालियर के अन्तर्गत आवासीय भवनों में मरम्मत कार्य, रंगाई, पुताई एवं अन्य मरम्मत कार्य।	1. 49.98 लाख 2. 50000/–	5000/– + (पोर्टल चार्ज)	दिनांक 31.03.2026	लो.नि.वि.में पंजीकृत ठेकेदार
7	2025_PWDRB_421711_1	लो.नि.वि. निर्माण उपसंभाग क्रं.–1 ग्वालियर के अन्तर्गत आवासीय भवनों में मरम्मत कार्य, रंगाई, पुताई, एस/एफ, डब्ल्यू./एस., ए/आर., एस/आर. एवं अन्य मरम्मत कार्य।	1. 50.00 लाख 2. 50000/–	5000/– + (पोर्टल चार्ज)	दिनांक 31.03.2026	लो.नि.वि.में पंजीकृत ठेकेदार
8	2025_PWDRB_421715_1	लो.नि.वि. उपसंभाग डबरा के अन्तर्गत अन्तर्गत आवासीय भवनों में मरम्मत कार्य, रंगाई, पुताई एवं अन्य मरम्मत कार्य।	1. 49.47 लाख 2. 50000/–	5000/– + (पोर्टल चार्ज)	दिनांक 31.03.2026	लो.नि.वि.में पंजीकृत ठेकेदार
9	2025_PWDRB_421718_1	नगर निगम ग्वालियर हजार बिस्तर हॉस्पीटल ग्वालियर में पार्क चबूतरा निर्माण कार्य (डिपॉजिट कार्य सांसद निधि)	1. 5.34 लाख 2. 11000/–	2000/– + (पोर्टल चार्ज)	04 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि.में पंजीकृत ठेकेदार

कुल कार्य संख्या – 9 (नौ)

ऑनलाइन निविदा जारी व डाउनलोड करने की आरम्भ तिथि 09/05/2025 प्रातः 10:30

ऑनलाइन निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 26/05/2025 प्रातः 17:30

ऑनलाइन निविदा दर खुलने की तिथि 28/05/2025 प्रातः 11:00

निविदा फार्म ऊपर दर्शित बेवसाइड पर (Online System) ऑनलाइन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। तथा सम्पूर्ण जानकारी पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं।

G12880/25

कार्यपालन यंत्री
लोकै निर्माण विभाग, संभाग क्र. 1
ग्वालियर (म.प्र.)
फोन 07512371231

संपादकीय

'आपरेशन सिंदूर' से साफ संदेश, आतंकवाद पर वार नहीं रुका है, सिर्फ बदली है रणनीति

संघर्ष किस हद तक पहुंच जाता, कहना मुश्किल है। इसलिए सैन्य संघर्ष पर विराम और आतंकवाद के खिलाफ नई रणनीति बनाना जरूरी था। भारत शुरू से कहता रहा है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। भारत-पाक संघर्ष विराम के बाद प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। आतंकवाद और बातचीत या व्यापार साथ-साथ नहीं चल सकते। सैन्य संघर्ष फिलहाल स्थगित किया गया है, वह समाप्त नहीं हुआ है। आपरेशन सिंदूर अब भारत की नई नीति है। इससे पहले तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने संयुक्त रूप से बयान जारी किया था कि संघर्ष विराम अस्थायी है, सेना नए अभियान के लिए तैयार है। फिर राष्ट्र के नाम संबोधन के अगले दिन प्रधानमंत्री आदमपुर वायुसेना अड्डे पर सैनिकों से मिलने गए और वहां भी यही संकेत दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति यथावत है। इस तरह अचानक किए गए संघर्ष विराम के फैसले को लेकर पिछले दो-तीन दिनों से जो अटकलें लगाई और सवाल उठाए जा रहे थे, उन पर विराम लग जाना चाहिए। सेना बार-बार कहती रही है कि उसका सैन्य अभियान आतंकवाद के खिलाफ था। अब भी प्रधानमंत्री ने वही बात दोहराई है कि आतंकवाद को नेस्तनाबूद करना ही हमारा असल मकसद है। प्रधानमंत्री ने प्रकारांतर से पाकिस्तान और भारत के बीच के मसलों को सुलझाने के लिए मध्यस्थता के प्रस्ताव पर स्पष्ट कह दिया कि जब भी बात होगी तो पाक अधिकृत कश्मीर और आतंकवाद पर ही होगी। पहलगाम हमले के बाद आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान स्थित नौ आतंकी ठिकानों पर लक्षित हमले किए थे। इसके साथ ही सरकार ने सप्रमाण दुनिया भर को बता दिया था कि उसका मकसद पाकिस्तान पर नहीं, बल्कि वहां चल रहे आतंकी संगठनों पर हमला करना था। मगर पाकिस्तान ने उसके जवाब में भारतीय सीमा के नागरिक ठिकानों पर गोलाबारी शुरू कर दी थी, जिसका जवाब देना जरूरी हो गया था। ऐसे में स्थिति लगातार संघर्ष के बढ़ते जाने की बन गई थी। संघर्ष किस हद तक पहुंच जाता, कहना मुश्किल है। इसलिए सैन्य संघर्ष पर विराम और आतंकवाद के खिलाफ नई रणनीति बनाना जरूरी था। भारत शुरू से कहता रहा है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। फिर, उसका जोर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और दुनिया की शीर्ष शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाओं में शुमार होने पर है। ऐसे में पाकिस्तान के साथ लंबे समय तक सैन्य संघर्ष में उलझे रहना कोई समझदारी की बात नहीं होती। फिर, जिस तरह के वैश्विक समीकरण बने हैं, उसमें यह संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित रह पाता, यह कहना भी मुश्किल था। इसके अलावा, दुश्मन देश के साथ तनाव के वातावरण में अगर कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहा हो तो उसे ठीक नहीं कहा जा सकता। संघर्ष विराम के बाद भी सीमा पर पाकिस्तानी सेना की तरफ से गोलीबारी थमी नहीं है। सेना ने आशंका जाहिर की है कि ऐसा वह आतंकवादियों की घुसपैठ कराने और हमारी चौकियों पर कब्जा करने की मंशा से कर रही होगी। शोपियां में तीन आतंकवादियों के मार गिराने की घटना भी संघर्ष विराम के बाद की है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान पर किसी भी तरह विश्वास नहीं किया जा सकता।

ड्रॉपआउट कम करने का पाठ, स्कूल का आनंदमय माहौल और जिम्मेदारी की जरूरत

बीच में स्कूल छोड़ने के लिए आखिर किसकी जिम्मेदारी बनती है- सरकार में बैठे हुए नेताओं की, नौकरशाहों की, शिक्षा विभाग की या फिर गुरुजनों की? कोई सर्वस्वीकार्य या सहमत करने वाला जवाब नहीं आ पाता तो उसके बाद ठीकरा भोले-भाले अभिभावकों पर फूटता है। जिम्मेदारी किसी की भी हो और जिम्मेदार किसी को मान भी लिया जाए। अगर देश का भविष्य सुरक्षित हाथों में रखने की मंशा हो तो बीच में स्कूली पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों की संख्या कम की जा सकती हैं।

जितने भी अध्यापक या शिक्षा प्रशासन के लोग हैं, उन्हें नियमित रूप से विद्यालय में आनंदमय वातावरण बनाना चाहिए। अगर कोई विद्यार्थी दस-बीस दिन से नहीं आ रहा है तो उसकी समस्या की पहचान कर, उस पर गंभीरता से विचार करने और फिर से उसको विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

लंबे समय से शैक्षणिक जगत में एक सवाल आज भी अपना उत्तर खोजने में नाकामयाब रहा है कि आखिर शत-प्रतिशत बच्चों को विद्यालय में कैसे रोका जा सकता है। अगर एक बार बच्चा विद्यालय में प्रवेश कर चुका है तो पूरे वर्ष भर उसे कक्षा में कैसे रखना है। नियमित विद्यार्थियों का सरकारी स्कूलों में आनंदमयी शिक्षा न होने के अभाव में बच्चों का शैक्षणिक विकास ठप होता जा रहा है। बीच में स्कूल छोड़ने के लिए आखिर किसकी जिम्मेदारी बनती है- सरकार में बैठे हुए नेताओं की, नौकरशाहों की, शिक्षा विभाग की या फिर गुरुजनों की? कोई सर्वस्वीकार्य या सहमत करने वाला जवाब नहीं आ पाता तो उसके बाद ठीकरा भोले-भाले अभिभावकों पर फूटता है। जिम्मेदारी किसी की भी हो और जिम्मेदार किसी को मान भी लिया जाए। अगर देश का भविष्य सुरक्षित हाथों में रखने की मंशा हो तो बीच में स्कूली पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों की संख्या कम की जा सकती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में हमेशा की तरह एक कालम यह भी है- बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों की संख्या कम करना और सभी स्तरों पर शिक्षा की सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करना। नई शिक्षा नीति का लक्ष्य रखा गया है। मगर अब तक के आंकड़े यही बताते हैं कि आजादी के बाद हम कभी भी नामांकित सभी बच्चों को शत-प्रतिशत, नियमित रूप से, पूरे वर्ष विद्यालय में बनाए रखने में कामयाब नहीं रहे। हम कभी बीच में स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या कम कर पाएंगे, उसके समांतर महत्त्वपूर्ण बात यह है कि हमारा प्रारंभिक शिक्षा के प्रति बहुत ज्यादा रुझान है या नहीं। प्रारंभिक शिक्षा के प्रति रुझान थोड़ा बहुत कहीं दिख रहा है तो वह है निजी क्षेत्र। निजी क्षेत्र में स्कूली पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले बच्चों की संख्या बहुत कम रही है। दूसरी ओर, बीच में पढ़ाई छोड़ देने वाले बच्चों की समस्या केवल सरकारी स्कूलों में ही क्यों देखी जाती है, इस पर कभी गंभीरतापूर्वक विचार नहीं किया गया। होना तो यह चाहिए की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत हमें इस पर विचार करने के लिए एक-एक विद्यालय को इकाई मानकर कार्ययोजना बनानी चाहिए। हम 'प्रवेशोत्सव' के माध्यम से बच्चों का स्कूल में नामांकन करते हैं। संबंधित विद्यालय प्रशासन की यह जिम्मेदारी होनी चाहिए कि प्राथमिक शिक्षा में उस क्षेत्र के लगभग सभी बच्चों के नामांकन में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए उन बच्चों की स्कूलों में बने रहने संबंधी कार्य योजना बनाई जाए। इसके विपरीत होता यह है कि हम बार-बार निजी क्षेत्र को कोसते रहते हैं। जबकि निजी क्षेत्र में जो बच्चे अध्ययनरत हैं, उन्हें वहां अध्ययन करने पर सवाल उठाने की जरूरत नहीं है। चिंता का विषय यह होना चाहिए कि सरकारी विद्यालयों में नामांकन के बावजूद बच्चों में वहां पढ़ाई के प्रति स्थिरता कैसे रहे, उन्हें बीच में स्कूल छोड़ने से कैसे रोका जा सके। अगर हमें आगे बढ़ना है तो बेहतर भविष्य के लिए विद्यार्थियों का 'ड्रापआउट' कम करना होगा। अक्सर यह कहा जाता है कि इस पर ठोस राष्ट्रीय प्रयास किया जाएगा, लेकिन अगर इस पर गंभीरता से विचार किया जाए तो यह पक्ष सामने आता है कि बिखरे हुए प्रयासों से विद्यार्थियों के बीच में स्कूल छोड़ने को नहीं रोका जा सकेगा। उनकी पढ़ाई बीच में छूटना रुकेगा तो ठोस इच्छाशक्ति और क्षेत्र विशेष के विद्यालय की कार्य योजना से। संबंधित विद्यालय की कार्य योजना की सफलता के लिए नियमित रूप से उसकी निगरानी की जानी चाहिए। दरअसल, इस समस्या की जद में आए ज्यादातर विद्यालय इस परेशानी से जूझ रहे हैं। इसलिए संबंधित विद्यालयों को जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग की ओर से मदद की जानी चाहिए। विद्यालय के प्रधान को नोटिस देकर बात समाप्त नहीं किया जाना चाहिए। स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या की निगरानी कक्षा एक से ही अलग-अलग कक्षाओं की होनी चाहिए। हम इसे राष्ट्रीय समस्या या प्राकृतिक आपदाओं के माध्यम से पूरे प्रदेश या जिले की समस्या मानकर 'ड्रापआउट' में एकरूपता ले आते हैं। यहां स्पष्ट करने की जरूरत है कि 'ड्रापआउट' एकरूपता की समस्या नहीं है। हमें विचार करना चाहिए कि पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों की समस्या एक जिले की भी एक जैसी नहीं होती, बल्कि एक विद्यालय को इकाई मानकर स्कूल बीच में छोड़ने वाले बच्चों की संख्या को कम किया जा सकता है। जबकि हम ऐसे बच्चों की संख्या को कम करने के बजाय अध्यापकों की कमी, संसाधनों का अभाव आदि की समस्या पर जोर ज्यादा देते हैं। इस संबंध में देखें तो जितने भी अध्यापक या शिक्षा प्रशासन के लोग हैं, उन्हें नियमित रूप से विद्यालय में आनंदमय वातावरण बनाना चाहिए। अगर कोई विद्यार्थी दस-बीस दिन से नहीं आ रहा है तो उसकी समस्या की पहचान कर, उस पर गंभीरता से विचार करने और फिर से उसको विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। यह कोई ऐसी समस्या नहीं है कि अगर एक बार बच्चा कुछ दिन स्कूल नहीं आता है तो वह आएगा ही नहीं। अगर हम उनके अभिभावकों से संपर्क में रहेंगे तो कोई रास्ता जरूर निकलेगा। इस काम के लिए विद्यालय से बाहर अभिभावक, शिक्षाविद और शिक्षक मिलकर प्रयास करेंगे तो स्कूली पढ़ाई को बीच में छोड़ने वाले बच्चों की संख्या कम करने में सफलता हासिल की जा सकती हैं।

मजाक बना अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, डब्ल्यूटीओ जैसी संस्थाएं प्रासंगिकता खो रही

संयुक्त राष्ट्र विश्व बैंक आइएमएफ और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सुधार के लिए कई बार आवाज उठाई गई है क्योंकि बदलते परिवेश में ये अपनी प्रासंगिकता खोते जा रहे हैं। विश्व बैंक आइएमएफ और डब्ल्यूटीओ का अपने उद्देश्यों के प्रति वास्तविक समर्पण लंबे समय से संदिग्ध ही रहा है। भारत-पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य टकराव के दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) के कार्यकारी बोर्ड ने पाकिस्तान को 1.4 अरब डालर का नया लोन भारत के कड़े विरोध के बावजूद दे दिया। इसके साथ ही उसने एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (ईएफएफ) के तहत मिल रहे करीब 60 हजार करोड़ रुपये की मदद की पहली समीक्षा को भी मंजूरी दी। इससे पाकिस्तान को अगली किस्त के करीब 8,542 करोड़ रुपये मिलेंगे। आइएमएफ बोर्ड बैठक में भारत ने पाकिस्तान को दी जा रही राशि पर चिंता जताते हुए कहा था कि इस फंड का दुरुपयोग वह आतंकवादी उद्देश्यों के लिए कर सकता है। भारत से सैन्य टकराव के बीच आइएमएफ का यह निर्णय फंडिंग एजेंसियों और दानदाताओं की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है और वैश्विक मूल्यों का मजाक उड़ाता है। यह आइएमएफ के उस निर्णय के भी ठीक विपरीत है, जिसमें फरवरी 2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद आइएमएफ ने उसके साथ अपने वार्षिक परामर्श को रोक दिया था। खेद की बात है कि इस बार वह इतना भी नहीं कर सका। संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक, आइएमएफ और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सुधार के लिए कई बार आवाज उठाई गई है, क्योंकि बदलते परिवेश में ये अपनी प्रासंगिकता खोते जा रहे हैं। विश्व बैंक, आइएमएफ और डब्ल्यूटीओ का अपने उद्देश्यों के प्रति वास्तविक समर्पण लंबे समय से संदिग्ध ही रहा है। रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास युद्धों के साथ-साथ बढ़ती वैश्विक समस्याओं के कारण संयुक्त राष्ट्र जैसा संगठन भी अपने उद्देश्यों में नाकाम रहा है। दुनिया में यह भावना बढ़ रही है कि एक संगठन के रूप में संयुक्त राष्ट्र लगातार अप्रभावी होता जा रहा है। आइएमएफ की स्थापना 1944 में ब्रेटनवुड्स सम्मेलन में नेक इरादों के साथ गई थी। आज इसके सदस्य देशों की संख्या 191 है। पिछले कुछ वर्षों में आइएमएफ अपनी भूमिका से न्याय

नहीं कर पाया है। आइएमएफ 2008 के वित्तीय संकट की निगरानी और उसका आकलन करने में भी पूरी तरह विफल रहा था, जबकि लेहमैन ब्रदर्स के पतन से कुछ दिन पहले ही ऐसी आशंका बढ़ चुकी थी। आइएमएफ ने शायद ही कभी किसी भी संकट से निपटने की वैश्विक अर्थव्यवस्था की क्षमता के बारे में आशावादी रुख दिखाया हो। पाकिस्तान 35 वर्षों में 28 बार आइएमएफ से मदद ले चुका है। अगर पहले दिए गए कर्ज का पाकिस्तान ने सही उपयोग किया होता, तो उसे बार-बार मदद की जरूरत नहीं पड़ती। इसलिए अब फिर नया लोन दिया जाना आइएमएफ की मंशा के साथ-साथ उसकी निगरानी पर भी सवाल खड़े करता है। निश्चय ही नए कर्ज के दुरुपयोग का खतरा अधिक है। आइएमएफ के बड़े कर्जदार देशों में पाकिस्तान चौथे नंबर पर है, जिससे उसने 8.3 अरब डालर का कर्ज ले रखा है। संयुक्त राष्ट्र की 2021 की रिपोर्ट स्पष्ट संकेत करती है कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बावजूद वहां के कामकाज में सेना का पूरा हस्तक्षेप रहता है। सेना वहां की अन्य अनेक नीतियों के साथ आर्थिक नीतियों को भी प्रभावित करती है। यदि पाकिस्तान ने आइएमएफ की मदद का विकास कार्यों में उपयोग किया होता, तो पाकिस्तान मानव विकास सूचकांक में 193 देशों में 168वें स्थान पर नहीं होता। इस वक्त पाकिस्तान का हर बच्चा अपने सिर पर करीब 85 हजार रुपये का कर्ज लेकर पैदा होता है। पाकिस्तान में वेतन और सब्सिडी जैसे खर्च से लेकर तेल और गैस का आयात बिल तक सब कुछ कर्ज पर चल रहा है। पाकिस्तान का सार्वजनिक ऋण उसकी जीडीपी का 69.4 प्रतिशत हो गया है। आइएमएफ का उद्देश्य विश्व की सभी मुद्राओं को स्थिर रखने और मुक्त व्यापार की सुविधा देना था, परंतु दुर्भाग्य से पिछले कई वर्षों से आइएमएफ इन उद्देश्यों को पूरा नहीं कर पा रहा है। उसके पास गलत परियोजनाओं के लिए जवाबदेही का भी अभाव है। कर्ज में डूबे देशों द्वारा डिफाल्ट को रोकने के लिए नए ऋण देने की आइएमएफ की नियमित प्रथा एक नैतिक जोखिम पैदा करती है। इसीलिए भी आइएमएफ की प्रणाली पर कड़ी निगाह रखने के साथ उसमें आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है। विश्व बैंक और आइएमएफ को आंतरिक न्याय, जवाबदेही और निगरानी कार्यों का पुनर्गठन भी करना चाहिए। बोर्ड की बैठकों और वोटिंग में अधिक पारदर्शिता लाना भी जरूरी है। वैश्वीकरण और संघर्ष समाधान के नए तरीकों से जूझ रहे विश्व में इन संगठनों की भूमिका पर लगातार प्रश्न उठ रहा है। ज्यादातर संगठन अपने उदेश्यों में असफल साबित हो रहे हैं। यदि उन्हें समाप्त नहीं किया जा सकता तो उनमें व्यापक सुधार तो जरूर किया जाना चाहिए। आइएमएफ को फंड देने के तरीकों में सुधार शुरू करने का यही सही समय है। इसके साथ ही बेलआउट कार्यक्रमों की प्रभावशीलता की भी समीक्षा करनी होगी। 2023 में भारत की अध्यक्षता में हुई जी 20 बैठक के दौरान आइएमएफ सहित अन्य बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार पर बात हुई थी। दुनिया को सोचना होगा कि संयुक्त राष्ट्र, आइएमएफ, विश्व बैंक आदि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में निवेश की गई वित्तीय और बौद्धिक पूंजी का विश्व भर के लोकतंत्र में कैसे बेहतर उपयोग हो। आज दुनिया भर के लोकतांत्रिक देशों को इनके पारदर्शी कार्यों की पहले से कहीं ज्यादा जरूरत है।

आतंकी हमले के बाद ट्रोल्स का हमला, जब अपने ही निशाने पर आ गए जिम्मेदार अफसर

पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश के लोगों में पाकिस्तान के प्रति आक्रोश स्वाभाविक था। मगर सवाल है कि क्या ऐसे आक्रोश को किसी उन्माद में तब्दील होने की इजाजत दी जा सकती है, जो अपने ही देश के जिम्मेदार अधिकारी और उनके परिवार के खिलाफ आक्रामक दुर्व्यवहार पर उतर आए? भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष संबंधी सूचनाएं आधिकारिक रूप से देश के विदेश सचिव के रूप में विक्रम मिसरी लोगों तक पहुंचा रहे थे।

सवाल है कि जिन लोगों ने विदेश सचिव और उनके परिवार के खिलाफ इस हद तक आनलाइन दुर्व्यवहार किया, क्या उन्हें कहीं से भी देश के प्रति निष्ठा और कर्तव्य भाव रखने वाला माना जा सकता है? पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश के लोगों में पाकिस्तान के प्रति आक्रोश स्वाभाविक था। मगर सवाल है कि क्या ऐसे आक्रोश को किसी उन्माद में तब्दील होने की इजाजत दी जा सकती है, जो अपने ही देश के जिम्मेदार अधिकारी और उनके परिवार के खिलाफ आक्रामक दुर्व्यवहार पर उतर आए? भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष संबंधी सूचनाएं आधिकारिक रूप से देश के विदेश सचिव के रूप में विक्रम मिसरी लोगों तक पहुंचा रहे थे। एक तरह से वे देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के सामूहिक प्रयासों का एक हिस्सा हैं। मगर भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की सूचना जारी करने के बाद उन्हें और उनके परिवार को सोशल मीडिया के जरिए निहायत फूहड़, आक्रामक अभद्रता और धमकियों का

सामना करना पड़ा। उनकी बेटी के संपर्क को सार्वजनिक कर दिया गया। सवाल है कि जिन लोगों ने विदेश सचिव और उनके परिवार के खिलाफ इस हद तक आनलाइन दुर्व्यवहार किया, क्या उन्हें कहीं से भी देश के प्रति निष्ठा और कर्तव्य भाव रखने वाला माना जा सकता है? इन्हीं लोगों ने पहलगाम में मारे गए नौसेना अधिकारी की पत्नी के खिलाफ भी अशोभन टिप्पणियां की थी। इन घटनाओं के जोखिमों को देखते हुए ही कई नेताओं और पूर्व राजनयिकों ने एकजुट होकर विदेश सचिव का समर्थन किया है। साथ ही राष्ट्रीय महिला आयोग ने इस पर गहरी चिंता जताई और इसकी सख्त निंदा की है। पहलगाम में आतंकवादियों के बर्बर हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर जो कार्रवाई की, वह एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी। इसका अर्थ है कि आतंकवादियों के खिलाफ कोई भी नरमी नहीं बरती जाएगी।

मगर भारत सरकार ही अंतिम प्राधिकार है, जो यह तय करेगी कि आतंकवादियों के विरुद्ध कैसी प्रतिक्रिया हो। भारत की कार्रवाई के जवाब में पाकिस्तान ने अनुचित तरीके से गोलाबारी की, तो भारत ने उसका भी उचित जवाब दिया। विडंबना यह है कि आनलाइन दुर्व्यवहार करने वालों की कई बार अनदेखी कर दी जाती है। जबकि ऐसे लोगों से कानून के दायरे में उचित तरीके से निपटने की जरूरत है, ताकि इंटरनेट की दुनिया सच्चे लोगों के लिए सुरक्षित हो।

भारत का अमेरिका को जवाब, तीसरे पक्ष की कोई एंट्री नहीं

प्रधानमंत्री के भाषण का सार यही है कि भारत ने आतंक के खिलाफ केवल एक नई और कठोर नीति ही नहीं अपना ली है, बल्कि आतंकियों एवं उनका साथ देने वालों में भेद करना भी छोड़ दिया है। इसके अतिरिक्त यह भी निश्चय किया है कि परमाणु हथियारों की धमकी सहन नहीं की जाएगी। पाकिस्तान को यह समझना होगा कि खून और पानी एक साथ न बहने का क्या मतलब है।

एक तरह से यह ठीक ही हुआ कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक ऐसी बात कह दी जिसे बेतुकी ही कहा जा सकता है लेकिन कम से कम इससे यह तो समझ आ ही गया कि अमेरिका से संबंध बढ़ाते समय सावधान भी रहा जाना चाहिए। उस पर पूरी तरह विश्वास नहीं किया जा सकता। इसलिए और भी नहीं क्योंकि ट्रंप अपने किसी भी फैसले पर स्थिर नहीं रहते। प्रधानमंत्री ने पहले राष्ट्र के नाम अपने संबोधन और फिर आदमपुर एयरबेस पर आपरेशन सिंदूर की सफलता और सेनाओं के शौर्य को रेखांकित करते हुए ऐसी कई बातें कहीं, जिन पर पाकिस्तान के साथ ही विश्व समुदाय और विशेष रूप से अमेरिका को ध्यान देना होगा। प्रधानमंत्री के भाषण का सार यही है कि भारत ने आतंक के खिलाफ केवल एक नई और कठोर नीति ही नहीं अपना ली है, बल्कि आतंकियों एवं उनका साथ देने वालों में भेद करना भी छोड़ दिया है। इसके अतिरिक्त यह भी निश्चय किया है कि परमाणु हथियारों की धमकी सहन नहीं की जाएगी। पाकिस्तान को यह समझना होगा कि खून और पानी एक साथ न बहने का क्या मतलब है। प्रधानमंत्री के संबोधन में एक और महत्वपूर्ण बात यह रही कि पाकिस्तान से

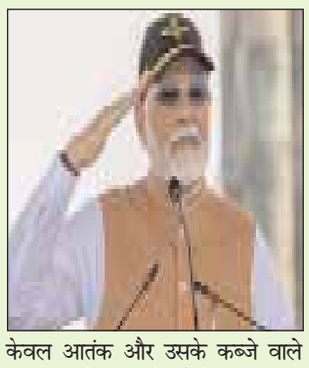

केवल आतंक और उसके कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर पर बात होगी। यह बयान साफ तौर पर पाकिस्तान के साथ ही अमेरिका को भी ध्यान में रखकर दिया गया, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव थमने का श्रेय लेने के साथ ही कश्मीर मसले पर बीच-बचाव करने की भी पहल की। हद तो तब हो गई, जब उन्होंने यह कह दिया कि दोनों देश अमेरिका के साथ व्यापार करने के कारण सैन्य संघर्ष रोकने पर सहमत हुए। ट्रंप के बयान को सिरे से खारिज करना केवल इसलिए जरूरी नहीं था कि यह जम्मू-कश्मीर पर भारत की नीति से मेल नहीं खाता, बल्कि इसलिए भी कि अमेरिकी राष्ट्रपति एक तरह से आतंक को व्यापार से जोड़ रहे हैं। यह किसी को भी स्वीकार्य नहीं हो सकता और भारत को तो कदापि नहीं, जो ऐसे आतंकवाद से जूझ रहा है, जिसका पोषण पाकिस्तान की सरकार और सेना करती है। शायद इसी कारण प्रधानमंत्री को यह कहना पड़ा कि आतंक और व्यापार साथ-साथ नहीं चल सकते। निःसंदेह ट्रंप बड़बोले राष्ट्रपति हैं और किसी भी मसले पर कुछ भी अनाप-शनाप कह जाते हैं और फिर उससे पलट भी जाते हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि उन्हें जवाब न दिया जाए। यह अच्छा हुआ कि गत दिवस विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने भी दो टूक कहा कि आपरेशन सिंदूर शुरू होने से लेकर उसे रोके जाने तक अमेरिकी नेताओं से व्यापार के विषय पर कोई बातचीत नहीं हुई और जम्मू-कश्मीर पर हमारी नीति यथावत है। एक तरह से यह ठीक ही हुआ कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक ऐसी बात कह दी, जिसे बेतुकी ही कहा जा सकता है, लेकिन कम से कम इससे यह तो समझ आ ही गया कि अमेरिका से संबंध बढ़ाते समय सावधान भी रहा जाना चाहिए। उस पर पूरी तरह विश्वास नहीं किया जा सकता। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि ट्रंप अपने किसी भी फैसले पर स्थिर नहीं रहते। वह प्रायः अपने कहे के उलट काम करते हैं।

बीसीसीआई सेक्रेटरी सैकिया बोले- रोहित-विराट ग्रेड ए+ में बने रहेंगे

वे अभी भी भारतीय क्रिकेट का हिस्सा, दोनों ने टी-20 और टेस्ट से संन्यास लिया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के ए+ ग्रेड कॉन्ट्रैक्ट को जारी रखने का फैसला किया है, भले ही वे टेस्ट और टी-20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। पिछले महीने बीसीसीआई ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की घोषणा की थी। इसमें दोनों खिलाड़ी ग्रेड ए+ में थे।

बीसीसीआई के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने कहा, कोहली और रोहित का ग्रेड ए+ कॉन्ट्रैक्ट उनके टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद भी जारी रहेगी। वे अभी भी भारतीय क्रिकेट का हिस्सा हैं और उन्हें ग्रेड ए+ में मिलने वाली सभी सुविधाएं मिलती रहेंगी।

5 दिन के अंदर रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। रोहित ने 7 और कोहली ने 12 मई को टेस्ट से संन्यास लिया था। वहीं, दोनों ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। ग्रेड ए+ में 4 खिलाड़ी बीसीसीआई ने 21 अप्रैल को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की घोषणा की थी। ग्रेड ए+ में कोहली और रोहित के अलावा जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा हैं। बीसीसीआई ग्रेड ए+ में हर खिलाड़ी को सलाना 7 करोड़ रुपए देती है।बोर्ड के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों में 34 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। पिछले साल 30 खिलाड़ियों को सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट दिया गया था। वहीं ग्रेड ए+ में पिछले साल की तरह चार खिलाड़ी ही हैं। ग्रेड ए में 6 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। पिछली बार भी इस कैटेगरी में 6 खिलाड़ी थे। वहीं क्र में पिछली बार की तरह पांच खिलाड़ी और ष्ट में 19 खिलाड़ी हैं। पिछली बार 15 खिलाड़ी शामिल किए गए थे।

युवराज के पिता ने विराट-रोहित के संन्यास को बताया गलत, बोले-दोनों में क्रिकेट बाकी था

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने बयान दिया है। योगराज सिंह ने कहा- कोहली और रोहित शर्मा में अभी काफी क्रिकेट बाकी है, मगर उन्होंने पहले ही संन्यास ले लिया। उन्होंने कहा कि ये दोनों खिलाड़ी देश के बड़े खिलाड़ियों में से हैं। ऐसे में भारत को इसका जाहिर तौर पर नुकसान होना तय है। पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने न्यूज एजेंसी से बातचीत में ये बयान दिया।

योगराज बोले- मैंने युवराज को संन्यास लेने से मना किया था

योगराज सिंह ने कहा- विराट और रोहित देश की क्रिकेट के बड़े खिलाड़ी हैं। इसलिए उनके जाने पर भारतीय टीम को नुकसान होगा। जब 2011 में कई खिलाड़ियों को या तो हटा दिया गया और या फिर कई ने संन्यास ले लिया। कई खिलाड़ियों तो जबरन संन्यास के लिए मजबूर किया गया, तो टीम बिखर गई और अब तक उबर नहीं पाई है। लेकिन हर किसी का समय आता है।

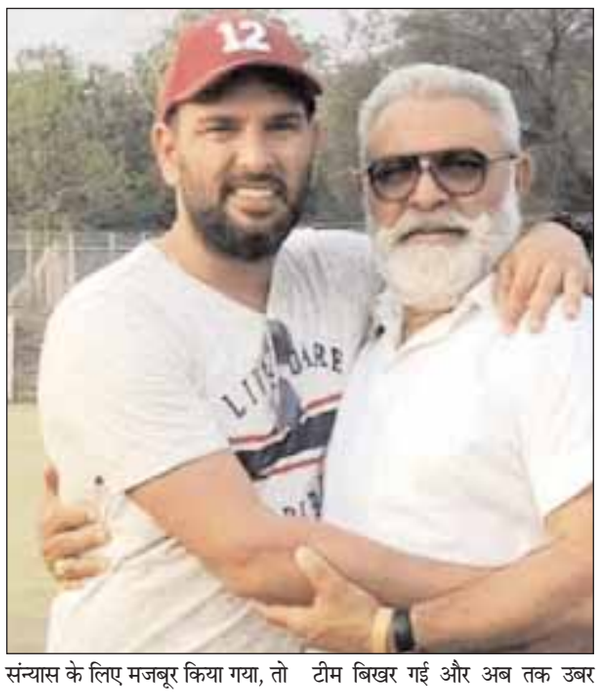

योगराज सिंह ने आगे कहा- मुझे लगता है कि विराट और रोहित में अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है। मैंने युवी (युवराज सिंह) से कहा था कि जब वह संन्यास ले रहा था तो यह सही कदम नहीं था। जब कोई चल नहीं सकता तो उसे मैदान छोड़ देना चाहिए। यदि आप युवाओं से भरी टीम बनाते हैं, तो वह हमेशा बिखर जाएगी।

योगराज ने आगे कहा- शायद विराट को लगता है कि उनके पास हासिल करने के लिए कुछ नहीं बचा है। लेकिन मुझे लगता है कि रोहित शर्मा को रोजाना प्रेरणा देने वाले व्यक्ति की जरूरत है। रोहित और वीरेंद्र सहवाग दो ऐसे लोग हैं जिन्होंने बहुत जल्दी संन्यास ले लिया। बड़े खिलाड़ियों को 50 साल की उम्र तक खेलना चाहिए, मैं उनके संन्यास से दुखी हूं, क्योंकि अब युवाओं को प्रेरित करने वाला कोई नहीं बचा है।

जडेजा लगातार 1151 दिन तक नंबर-1 टेस्ट ऑलराउंडर सबसे लंबे समय तक टॉप पर रहने वाले प्लेयर बने

400 रेटिंग के साथ नंबर-1 पर बुधवार को जारी टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में जडेजा 400 रेटिंग पॉइंट के साथ नंबर-1 पर हैं।

नई दिल्ली। आईसीसी ऑलराउंडर टेस्ट रैंकिंग में रवींद्र जडेजा सबसे ज्यादा दिनों तक नंबर-1 पर रहने वाले प्लेयर बने हैं। वे टेस्ट क्रिकेट में 1151 दिनों और 38 महीने से ऑलराउंडर के रैंकिंग के टॉप पर काबिज है।

जडेजा का पिछले साल शानदार सीजन रहा, उन्होंने 29.27 की औसत से 527 रन बनाए। साथ ही 24.29 की औसत से 48 विकेट भी झटके। जडेजा ने जैक्स कैलिस, कपिल देव, इमरान खान जैसे खिलाड़ी को पीछे छोड़ा। उन्होंने 9 मार्च 2022 की रैंकिंग में टॉप स्थान हासिल किया था। जडेजा ने वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर को पीछे छोड़ा था।

उनके बाद बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज (327 पॉइंट्स) और मार्को यानसन (294 पॉइंट्स) हैं। ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन टॉप 5 की लिस्ट में शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि टॉप 10 में जडेजा इकलौते भारतीय ऑलराउंडर है।

जडेजा मार्च 2022 में नंबर-1 रैंकिंग में पहुंचे थे। तब से अब तक जडेजा ने 23 टेस्ट मैचों में 1175 रन बनाए हैं। इसमें उनका औसत 36.71 का रहा। इसमें 3 शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं। बॉलिंग में उन्होंने स्पिन से 91 विकेट लिए, औसत 22.34 का रहा, जिसमें 6 बार 5 विकेट और 2 बार 10 विकेट लेने शामिल हैं।

लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन बैडमिंटन से बाहर, राजावत भी राउंड-1 में हारे

धौलपुर। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और प्रियांशु राजावत थाईलैंड ओपन के पहले राउंड से बाहर हो गए हैं। वहीं, आकर्षि कश्यप और उन्नति हुड्डा इस सुपर 500 टूर्नामेंट में कड़े मुकाबले जीतकर अगले दौर में पहुंच गई हैं।

बुधवार को सेन को आयरलैंड के एन एंगुयेन ने एक घंटे 20 मिनट तक चले मैच में 18-21, 21-9, 17-21 से हराया। पहला गेम हारने के बाद सेन ने दूसरे गेम में वापसी की, लेकिन तीसरे और निर्णायक गेम में एंगुयेन ने उन्हें उबरने का मौका ही नहीं दिया।

मेंस सिंगल्स कैटेगरी में प्रियांशु राजावत को भी पहले दौर में पराजय का सामना करना पड़ा। उन्हें इंडोनेशिया के अल्वी फरहान ने 21-13, 17-21, 21-16 से मात दी। इस मुकाबले में प्रियांशु ने बड़े अंतर से गंवाया, लेकिन दूसरे गेम में शानदार कोर्ट कवरेज और दमदार खेल की बदौलत 21-17 की वापसी हासिल की। तीसरे गेम में प्रियांशु को 21-16 की पराजय झेलनी पड़ी।

विमेंस सिंगल्स कैटेगरी में आकर्षि कश्यप ने जापान की कोआरू सुगियामा को 21-16, 20-22, 22-20 से हराया। वहीं, उन्नति ने थाईलैंड की थामोंवान एन को 21-14, 18-21, 23-21 से मात दी। रक्षिता श्री संतोष रामराज पहले दौर में सिंगापुर की यिओ जिया मिन से 18-21, 7-21 से हार गई।

रियो ओलिंपिक 2016 में गोल्ड जीतने वाले अमेरिकी रेसलर काइल स्नायडर को कोलंबस पुलिस ने प्रॉस्टिट्युशन के मामले में गिरफ्तार किया है। वे शुक्रवार रात को एक प्रॉस्टिट्युशन से जुड़े स्टिंग ऑपरेशन में फंसे थे। हालांकि, पूछताछ के बाद स्नाइडर को मौके से ही छोड़ दिया। अब उन्हें 19 मई 2025 को अदालत में पेश होना होगा

व्यापार

फाइटर-जेट तेजस बनाने वाली कंपनी हाल का मुनाफा 8 प्रतिशत घटा

रेवेन्यू 7 प्रतिशत घटकर 13,700 करोड़ रुपए रहा कंपनी का शेयर एक साल में 17 प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली। फाइटर जेट तेजस और ध्रुव हेलिकॉप्टर बनाने वाली कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी हाल को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 3,977 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर यह 8त्न घटा है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 4,309 करोड़ रुपए था।

जनवरी-मार्च तिमाही में ऑपरेशन से कंपनी का रेवेन्यू 13,700 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी ने 14,769 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था। सालाना आधार पर यह 7.23 प्रतिशत घटा है।

वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से मिली राशि को रेवेन्यू या राजस्व कहा जाता है। हाल ने आज मंगलवार (13 मई) को जनवरी-मार्च तिमाही और सालाना नतीजे जारी किए हैं।

चौथी तिमाही में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स की टोटल इनकम सालाना आधार पर 6.36 प्रतिशत घटकर 14,351 करोड़ रुपए रही। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी की टोटल इनकम 15,326 करोड़ रुपए रही थी।

वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स का मुनाफा मार्केट विश्लेषकों की उम्मीद से कम रहा है, यानी कंपनी ने इस बार बेहतर काम नहीं किया है।

हाल का शेयर 3.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,779.50 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। कंपनी का शेयर एक महीने में 14 प्रतिशत और 6 महीने में 16.94 प्रतिशत चढ़ा है। एक साल में कंपनी का शेयर 17.30 प्रतिशत चढ़ा है। हाल का मार्केट कैप 3.18 लाख करोड़ रुपए है।

कॉन्सोलिडेटेड मुनाफा मतलब पूरे ग्रुप का प्रदर्शन

कंपनियों के रिजल्ट दो भागों में आते हैं- स्टैंडअलोन और कॉन्सोलिडेटेड। स्टैंडअलोन में केवल एक यूनिट या सेगमेंट का फाइनेंशियल परफॉर्मेंस दिखाया जाता है। जबकि, कॉन्सोलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी का डेटा जारी होता है।

माइक्रोसॉफ्ट 6800 कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी, इससे 3 प्रतिशत लोग प्रभावित होंगे

नई दिल्ली। टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट 6,800 कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगा। ये कंपनी की कुल वर्कफोर्स का करीब 3त्न हिस्सा है। अभी कंपनी में करीब 2.28 लाख कर्मचारी हैं। 2023 के बाद यह माइक्रोसॉफ्ट में सबसे बड़ी छंटनी होगी।

2023 में कंपनी ने करीब 10 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाला था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह छंटनी परफॉरमेंस के आधार पर नहीं है। माइक्रोसॉफ्ट के प्रवक्ता ने कहा कि हम लगातार उन बदलावों को लागू कर रहे हैं, जो कंपनी को बेहतर स्थिति में लाने के लिए आवश्यक हैं।

बीते 1 साल में 8त्न चढ़ा माइक्रोसॉफ्ट का शेयर बीते 1 साल में माइक्रोसॉफ्ट के शेयर में 32.58 डॉलर (7.82त्न) की तेजी देखने को मिली है। 14 मई 2024 को कंपनी का शेयर 416.56 डॉलर पर था जो अब 449.14 डॉलर पर पहुंच गया है। वहीं इस साल इसमें अब में 7.30त्न की तेजी रही है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और व्हाट्सऐप की पेरेंट कंपनी मेटा ने इसी साल जनवरी में अपने 3600 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला था। मेटा ने परफॉरमेंस बेस्ड जॉब कट पॉलिसी के तहत यह फैसला लिया था। इससे कंपनी ने लगभग 5 प्रतिशत कर्मचारी प्रभावित हुए थे।

भारत में 25,722 करोड़ रुपए के निवेश करेगा माइक्रोसॉफ्ट जनवरी में माइक्रोसॉफ्ट के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर सत्य नडेला ने भारत में अगले 2 साल में अपने क्लाउड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बिजनेस में 3 बिलियन डॉलर यानी 25,722 करोड़ रुपए के निवेश का ऐलान किया था। सत्य नडेला ने यह ऐलान माइक्रोसॉफ्ट ढ्ढ टूर के बेंगलुरु फेज में किया था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और व्हाट्सऐप की पेरेंट कंपनी मेटा अपने 3600 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने जा रही है। मेटा ने परफॉरमेंस बेस्ड जॉब कट पॉलिसी के तहत यह फैसला लिया है। कंपनी के ष्टश्वह्र मार्क जुकरबर्ग ने बताया कि इससे कंपनी ने लगभग 5त्न कर्मचारी प्रभावित होंगे। सितंबर 2024 के डेटा के मुताबिक मेटा में करीब 72,000 एम्प्लॉइज काम करते हैं।

एयरटेल का चौथी तिमाही में मुनाफा 432 प्रतिशत बढ़ा, ये 11,022 करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली। टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल लिमिटेड को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 11,022 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर यह 432 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 2,072 करोड़ रुपए था।

जनवरी-मार्च तिमाही में ऑपरेशन से कंपनी का रेवेन्यू 47,876 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में एयरटेल ने 37,599 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था। सालाना आधार पर यह 27 प्रतिशत बढ़ा है। वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से मिली राशि को रेवेन्यू या राजस्व कहा जाता है। भारती एयरटेल ने आज मंगलवार (13 मई) को जनवरी-मार्च तिमाही और सालाना नतीजे जारी किए हैं।

नतीजों में आम आदमी के लिए क्या?

कंपनी ने वित्त-वर्ष 2024-25 के लिए हर शेयर पर 16 रुपए फाइनल डिविडेंड यानी लाभांश देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा अपने शेयरहोल्डर्स को देती हैं, इसे डिविडेंड या लाभांश कहा जाता है। भारती एयरटेल का शेयर 2.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,824.50 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। कंपनी का शेयर एक महीने में 2 प्रतिशत और 6 महीने में 18 प्रतिशत चढ़ा है। एक साल में कंपनी का शेयर 42 प्रशितात चढ़ा है। भारती एयरटेल का मार्केट कैप 10.91 लाख करोड़ रुपए है।भारत सरकार ने 1992 में पहली बार मोबाइल सेवा के लिए लाइसेंस बांटने शुरू किए। कंपनी के फाउंडर सुनील मित्तल ने इस अवसर को समझा और फ्रेंच कंपनी विवेंडी के साथ मिलकर दिल्ली और आस-पास के इलाकों के लाइसेंस हासिल किए। 1995 में मित्तल ने सेल्युलर सर्विस ऑफर करने के लिए भारती सेल्युलर लिमिटेड बनाई और एयरटेल ब्रांड के तहत काम शुरू किया।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच 17 प्रतिशत तक चढ़े डिफेंस शेयर, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स का शेयर 16 प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली। भारत पाकिस्तान तनाव के बीच भारतीय डिफेंस स्टॉक्स में लगातार तेजी बनी हुई है। बुधवार,14 मई को कोचीन शिपयार्ड, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स और मझगांव डॉक जैसी कंपनियों के शेयर 17 प्रतिशत तक चढ़े। जबकि निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स में 3त्न की तेजी रही। ब्रोकरेज फर्म्स का मानना है कि सरकारी ऑर्डर बढ़ने, घरेलू उत्पादन पर फोकस और निर्यात में बढ़ोतरी के चलते डिफेंस स्टॉक्स लगातार निवेश हो रहा है। पिछले 1 महीने में कोचीन शिपयार्ड ने 23 प्रतिशत तो वहीं पारस डिफेंस जैसे शेयर ने 42 प्रतिशत रिटर्न दिया है।

पीएसयू डिफेंस स्टॉक गार्डन रीच शिप बिल्डर्स 16 प्रतिशत तेजी के साथ 2,212 रुपए पर बंद हुआ। वहीं कोचीन शिपयार्ड का शेयर में 8 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,699 रुपए पर बंद हुआ। मझगांव डॉक और पारस डिफेंस के शेयर में 4 प्रतिशत की तेजी रही।

गार्डन रीच शिपबिल्डर्स ने एफवाई25 में 48 प्रतिशत की उछाल के साथ 527 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया है। चौथी तिमाही में लाभ 118 प्रतिशत बढ़कर 244 करोड़ रुपए रहा। इसके चलते शेयर में पिछले एक साल में 125 प्रतिशत रिटर्न दिया है।

डिफेंस सेक्टर में तेजी की मुख्य वजह एफवाई 27 तक 8.45 लाख करोड़ रुपए के ऑर्डर मिलने की संभावना है। डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने हाल ही में टी-90 टैंक इंजन, वरुणास्त्र टॉरपीडो समेत 54,000 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। एंटिक स्टॉक ब्रोकिंग के अनुसार, सरकार के मेक इन इंडिया पुश और घरेलू उत्पादों पर जोर देने की नीतियों से शिपयार्ड कंपनियों को लंबे समय तक फायदा मिलेगा। वर्तमान में देश का 65 प्रतिशत रक्षा उपकरण स्थानीय स्तर पर बन रहा है।

ग्राम सभाओं के माध्यम से तेंदूपत्ता संग्रहण को मिलेगा बढ़ावा : कलेक्टर

- सीएम हेल्पलाइन, समाधान ऑनलाइन एवं समय-सीमा के लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें अधिकारी: कलेक्टर

- नगरीय क्षेत्रों के अंतर्गत जर्जर भवनों का सर्वे कर सीएमओ करें चिन्हित-कलेक्टर

- कलेक्टर हर्षल पंचोली ने समयावधि पत्रों की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा कि मध्यप्रदेश पंचायत उपबंध अधिनियम 2022 के अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्रहण एवं व्यापार की प्रक्रिया ग्राम सभाओं के माध्यम से सुव्यवस्थित रूप से संचालित की जाए तथा ग्राम सभाओं के माध्यम से तेंदूपत्ता संग्रहण को बढ़ावा मिले। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम सभाओं का नियमित रूप से आयोजन कर ग्रामीणों को तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया जाए। एक सशक्त अभियान चलाकर यह सुनिश्चित किया जाए कि अधिक से अधिक ग्रामीण इस कार्य से जुड़ें, जिससे उन्हें रोजगार के अवसर और आय के स्त्रोत उपलब्ध हो सकें। कलेक्टर हर्षल पंचोली मंगलवार को आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन, समाधान ऑनलाइन एवं समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन, समाधान ऑनलाइन एवं समय-सीमा में प्राप्त लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं व जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ आमजन तक समय पर पहुँचना चाहिए। जनसमस्याओं के त्वरित समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारी नियमित रूप से प्रकरणों की मॉनिटरिंग करें और प्राथमिकता के आधार पर लंबित शिकायतों का निराकरण करना सुनिश्चित करें।

जिससे आम नागरिकों का प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो।

बैठक में कलेक्टर ने जिले के सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि नगरीय क्षेत्रों में जर्जर भवनों को चिन्हित कर सूची बनाएं तथा यह जानकारी समयबद्ध रूप से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को उपलब्ध कराएं। इसका उद्देश्य वर्षा ऋतु से पूर्व संभावित जोखिमों का आंकलन कर उनके समाधान हेतु ठोस कार्ययोजना बनाना है। जिससे आगामी दिनों में किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटित ना हो। कलेक्टर ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 की तैयारियों की समीक्षा कर जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि कक्षा नवमी एवं दसवीं में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की सूची तैयार कर सभी विद्यार्थियों का पुनः नामांकन भरवाना सुनिश्चित किया जाए, जिससे कोई भी छात्र शिक्षा से वंचित न रहे। कलेक्टर ने जिला परियोजना समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान को निर्देश दिए कि आगामी शैक्षणिक सत्र 2025-26 में सभी पात्र विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों एवं शैक्षणिक सामग्री का वितरण समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से सुनिश्चित किया जाए। बैठक में शासकीय विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विद्यालय परिसरों में शौचालयों की मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्य गुणवत्तापूर्ण और बच्चों की आवश्यकता के अनुरूप होना चाहिए। कलेक्टर ने बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग से अप्रैल तथा मई माह के टेक होम राशन के आवंटन तथा वितरण के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अप्रैल-मई माह का वितरण शत-प्रतिशत सुनिश्चित हो। कलेक्टर ने उद्योग विभाग द्वारा संचालित ऋक्क योजना के प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य लाभार्थी, विशेषकर महिला उद्यमियों को व्यापार,वित्त और प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग में मदद करना है।

उन्होंने निर्देश दिए कि ऋक्कयोजना के प्रशिक्षण हेतु आईटीआई को एक केंद्र के रूप में चिन्हित किया जाए, ताकि प्रशिक्षण की व्यवस्था सुचारु रूप से की जा सके। बैठक में कलेक्टर ने उद्यान विभाग द्वारा एक जिला एक उत्पाद के वर्कशॉप का आयोजन, पशुपालन विभाग द्वारा गौशालाओं की स्थापना की नीति 2025 के संबंध में चर्चा, मत्स्य विभाग, नल जल योजना,खेत तालाब योजना सहित अन्य विभिन्न विभागों एवं योजनाओं की विस्तृत समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर कमलेश पुरी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतहरी अंजली द्विवेदी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोतमा अजीत तिर्की,अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ सुधाकर सिंह बघेल सहित जिले के विभिन्न विभागों के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने किया बीज उत्पादक सहकारी संस्था परसवार का निरीक्षण

– किसानों की आय बढ़ाने एवं संस्था को मल्टीपरपज बनाने के दिए निर्देश

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम दुलहरा स्थित जागृति बीज उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित परसवार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्था द्वारा किए जा रहे बीज उत्पादन की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। समिति के अध्यक्ष ने कलेक्टर को अवगत कराया कि इस संस्था में कुल 8 ग्राम के 57 किसान सम्मिलित हैं तथा यहां मुख्य रूप से धान, गेहूं एवं दाल के बीज तैयार किए जाते हैं। कलेक्टर पंचोली ने संस्था के कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे किसानों के लिए लाभकारी बताया। उन्होंने निर्देश दिए कि सहकारी संस्था ज्यादा से ज्यादा किसानों को जोड़ते हुए उनकी आय में वृद्धि हेतु प्रयास करे। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संस्था को मल्टीपरपज सहकारी संस्था के रूप में विकसित किया जाए, ताकि केवल सीमित बीजों तक न रहकर अन्य फसलों के बीज उत्पादन की दिशा में भी कार्य किया जा सके। इससे संस्था की कार्यक्षमता बढ़ेगी और किसानों को व्यापक लाभ मिलेगा।

डेयरी व्यवसाय से आत्मनिर्भर बने किसान दीनबंधु पटेल, कलेक्टर ने किया सराहना

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत दुलहरा का भ्रमण कर आचार्य विद्यासागर योजना से लाभान्वित कृषक श्री दीनबंधु पटेल की डेयरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान किसान श्री पटेल ने कलेक्टर को जानकारी दी कि उन्हें आचार्य विद्यासागर योजना के अंतर्गत शासन से 6 गायें प्राप्त हुई थीं, जिनसे उन्होंने डेयरी व्यवसाय की शुरुआत की। वर्तमान में वे प्रतिदिन 25 से 30 लीटर दूध का उत्पादन कर रहे हैं तथा प्रति माह लगभग 20 से 25 हजार रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं। कलेक्टर पंचोली ने किसान की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के अन्य पात्र किसानों को भी आचार्य विद्यासागर योजना का लाभ दिलाया जाए, ताकि वे भी आत्मनिर्भर बन सकें। इस दौरान अधिकारियों ने कलेक्टर को अवगत कराया कि किसान दीनबंधु पटेल को वर्ष 2023-24 में 'गोपाल पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। किसान की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए कलेक्टर ने उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कलेक्टर ने दारसागर में 12 किसानों द्वारा 15 एकड़ भूमि में की जा रही उन्नत खेती का किया निरीक्षण

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जनपद पंचायत अनूपपुर के ग्राम दारसागर में कृषक विनय पटेल सहित अन्य 12 किसानों द्वारा 15 एकड़ भूमि में की जा रही टमाटर एवं करेला की उन्नत खेती का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने किसानों के नवाचार और मेहनत की सराहना करते हुए उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दारसागर को उद्यानिकी फसलों के उत्पादन के लिए क्लस्टर के रूप में विकसित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कोल्ड स्टोरेज की स्थापना की संभावनाओं पर भी विचार करने और उन्नतशील किसानों को खेती, पशुपालन और अन्य कृषि गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने किसानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ऐसी पहल जिले के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेंगी और आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होंगी।

कलेक्टर ने दारसागर के कृषक बृजभान सिंह की लेमनग्रास खेती का किया निरीक्षण

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने आज ग्राम दरसागर के कृषक बृजभान सिंह द्वारा 8 एकड़ क्षेत्र में की जा रही लेमनग्रास (सुगंधित पौधा) की खेती का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर को अवगत कराया गया कि कृषक श्री बृजभान विगत कई वर्षों से लेमनग्रास की खेती कर रहे हैं तथा उन्होंने पिछले वर्ष लगभग 1.50 लाख रुपये की आय प्राप्त की है। कलेक्टर ने कृषक के नवाचार की प्रशंसा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अन्य कृषकों को भी लेमनग्रास जैसी औषधीय एवं लाभकारी फसलों की खेती हेतु प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक फसल प्रणाली को अपनाकर कृषकगण अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। कलेक्टर ने यह भी कहा कि राज्य शासन द्वारा सुगंधित पौधों की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत आवश्यक मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अनूपपुर गुप्ता, पशु चिकित्सा अधिकारी अनूपपुर ,आत्मा परियोजना की सहायक परियोजना अधिकारी निशा सिन्हा सहित अन्य अधिकारी, हितग्राही एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

मंत्री दिलीप जायसवाल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलकर सीधी जिले के अतिरिक्त मंडला जिला का प्रभारी मंत्री बनाए जाने पर धन्यवाद ज्ञापित किया

अनूपपुर। भोपाल अनूपपुर जिले के कोतमा विधानसभा से विधायक एवं मध्य प्रदेश में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)दिलीप जायसवाल ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव जी से भेंट ,मुलाकात कर कहां आपने मुझे सीधी जिले के अतिरिक्त मंडला जिले के प्रभार की ज़िम्मेदारी देने पर मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव को आज स्टेट हैंगर पर धन्यवाद ज्ञापित किया। श्री जायसवाल ने कहा मुख्यमंत्री जी ने मुझे जो ज़िम्मेदारी सौंपी है निश्चित तौर पर मैं उस पर पूर्ण रूप से खरा उतरूँगा और मध्य प्रदेश शासन की योजनाएं पंक्ति के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचे इसके लिए संकल्पित रहूँगा।

थाना बिजुरी द्वारा रात्रि कॉबिंग गस्त के दौरान 08 गिरफ्तारी वारंट की तामीली

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान द्वारा जिले में अपराधो में नियंत्रण हेतु सोमवार की रात्रि जिले के समस्त थानो में काबिंग गस्त कराई गई जिसमें फरार चल रहे गिरफ्तारी वारंटी की तामीली जिला बदल आरोपियों की घर चेकिंग, निगरानी एवं गुण्डा बदमाशो की चेकिंग एवं वसुली वारंटी की तामीली हेतु निर्देशित किया गया। सोमवार की रात्रि दिनांक 12/05/2025 को थाना बिजुरी पुलिस द्वारा रात्रि काबिंग गस्त के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी एवं एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य के निर्देशन में थाना प्रभारी बिजुरी विकास सिंह , सउनि उदय प्रजापति,सउनि कमलेश शुक्ला,आर.प्रभाकर त्रिपाठी, रामनिवास गुर्जर, म.आर. संगम तोमर की अलग अलग पार्टीयों नें वांटेड

अपराधियों की घेराबंदी की जाकर फरार चल रहे 4 वारंटीयों को गिरफ्तार किया गया जिसमें से विनय बंसल पिता शुभगलाल बंसल उम्र 28 वर्ष निवासी मोहाडा दफाई बिजुरी को न्यायालय कोतमा के प्रकरण क्र 53/21 धारा 25बी आर्म्स एक्ट प्रकरण क्र 811/20 धारा 457, 380 ताहि, प्रकरण क्र 762/24 धारा 354, 354ख, 341, 294, 506, 509 ताहि मे गिरफ्तारी वारंट जारी होने, किटटी कोल उर्फ परमेश्वर पिता लाला कोल निवासी मोहाडा दफाई को न्यायालय कोतमा को प्रकरण क्र 568/23 धारा 294, 323, 506 ताहि मे गिरफ्तारी वारंट जारी होने, रवि सेन पिता चन्द्रकेश सेन निवासी मोहाडा दफाई बिजुरी को न्यायालय कोतमा के प्रकरण क्र 222/22 धारा 294, 323, 506 ताहि मे गिरफ्तारी वारंट जारी, सुनील परहुआ पिता स्व. लालमन को माननीय न्यायालय कोतमा के प्रकरण क्र 200/22 धारा 498ए ताहि मे गिरफ्तारी वारंट होने से गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय पेश किया गया। उक्त कार्यवाही मे निरीक्षक विकास सिंह सहित अन्य पुलिस कर्मियों की उल्लेखनीय भूमिका रही।

ई-ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन में कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन में अनूपपुर जिला प्रदेश में चौथे स्थान पर

अनूपपुर। ई-ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन में अनूपपुर जिले ने मध्यप्रदेश में चौथा स्थान बनाया है। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन, मार्गदर्शन में अनूपपुर जिले को यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है।

अनुकंपा नियुक्ति के लिये मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित

ग्वालियर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अपने कार्य क्षेत्र में कार्यरत कार्मिकों की मृत्यु उपरांत उनके आश्रित सदस्य को दी जाने वाली अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित कर दी है। कंपनी ने कहा है कि उक्त कार्य में विलंब न हों इसके लिए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयावधि में कार्रवाई करने के लिये निर्देशित किया गया है। अनुकंपा नियुक्ति के लिये मानक संचालन प्रक्रिया को कंपनी की वेबसाइट पर भी देखा जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए कंपनी के वृत्त तथा क्षेत्रीय कार्यालय से भी संपर्क किया जा सकता है।

263 ग्राम पंचायतों में तेजी से आकार ले रही हैं जल संरचनायें

ग्वालियर। जिले की सभी 263 ग्राम पंचायतों में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरचनायें तेजी से आकार ले रही हैं। कार्यों में तेजी आने से इस अभियान में जिले की रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। ग्वालियर जिला अब जल गंगा संवर्धन अभियान में 11वे पायदान पर आ गया है। कहीं पर खेत तालाब, कहीं पर अमृत सरोवर तो कहीं पर पुराने कुँओं के पुनर्भरण के लिये संरचनायें बनाई जा रही हैं। साथ ही पिछले वर्षों की जल संरचनाओं को पूरा करने का काम भी अभियान के तहत हो रहा है। जिले की 263 ग्राम पंचायतों में वर्तमान में वर्षा जल सहेजने के लिये 1610 कार्य चल रहे हैं। इसके अलावा 832 पुरानी जल संरचनाओं को पूरा करने का काम भी प्रमुखता से कराया जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जन-जन की भागीदारी के उद्देश्य से रात्रि चौपाल लगाकर ग्रामीणों को जल संचय एवं उपयोग के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। साथ ही जगह-जगह समूहों की बैठक लेकर ग्रामीणों को अपने गाँव की जल संरचनाओं को सहेजने के लिये प्रेरित किया जा रहा है। जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी रविन्द्र सिंह जादौन ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्वालियर जिले की सभी ग्राम पंचायतों में कुल 854 खेल तालाब स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 794 खेत तालाबों का काम शुरू हो चुका है। इसी तरह जिले में 903 पुराने कुँओं को रीचार्ज करने के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 810 कुँओं को रीचार्ज करने के लिये संरचनायें बनाने का काम जारी है। जिले में 6 अमृत सरोवर भी स्वीकृत किए गए हैं। जिले में बड़े पैमाने पर बनाई जा रहीं जल संरचनायें जल संरक्षण व संवर्धन का काम तो कर ही रही हैं, साथ ही मछली पालन व सिंघाड़ा उत्पादन जैसी व्यवसायिक गतिविधियों के माध्यम से किसानों की अतिरिक्त आय का साधन भी बनेंगीं। खेत तालाबों व अमृत सरोवरों के किनारे वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के काम भी किए जायेंगे।

समाज के सहयोग से हो रहा है मर्सी होम का कायाकल्प

ग्वालियर । शासन व प्रशासन का दायित्व केवल अधोसंरचनागत कार्यों तक ही सीमित न होकर सामाजिक सरोकारों से जुड़ना व रचनात्मक कार्य कराना भी है। इसी भाव के साथ उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के प्रशासनिक न्यायाधिपति आनंद पाठक की प्रेरणा से कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने गजराराजा अर्पण आश्रम अर्थात मर्सी होम का समाज के सहयोग से कायाकल्प करने की पहल की है। मर्सी होम के कायाकल्प के पीछे उद्देश्य यह है कि यहाँ निवासरत मानसिक दिव्यांग जरूरतमंद बच्चों का जीवन स्तर ऊँचा उठे और उन्हें खुशहाल जीवन जीने के लिए अच्छा माहौल मिले।

जिला प्रशासन का प्रयास है कि मर्सी होम का परिसर ऐसा रूप ले जिससे यहाँ निवासरत मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों को साफ-सुथरा, आकर्षक व प्रेरणादायी वातावरण मिले। शहर में स्थित अलापुर पहाड़ी को वृहद वृक्षारोपण के जरिए ÷हरि पर्वत÷ के रूप में विकसित करने में योगदान दे रही राम आस्था मिशन संस्था मर्सी होम के

कायाकल्प में सहयोग देने के लिये आगे आई है। मर्सी होम परिसर की दीवारों का रंग-रोगन कर व आकर्षक एवं प्रेरणादायी पेंटिंग कर सजाया व सँवारा जा रहा है। दीवारों पर इस प्रकार की पेंटिंग बनाई जा रही हैं, जिससे मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों में आत्मविश्वास की भावना जागृत हो। उच्च न्यायालय द्वारा बाल देखरेख संस्थाओं के बच्चों को समाज की मुख्यधारा में शामिल करने के संबंध में दिए गए आदेश के पालन में समाज के सहयोग से मर्सी होम का सौंदर्यीकरण व कायाकल्प हो रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान इस काम पर स्वयं नजर रख रही हैं। यहाँ के रहवासी बच्चों को यूनीफॉर्म व परिधान भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने बताया कि मर्सी होम के रहवासी बच्चे अच्छे स्कूलों की तर्ज पर एक समान यूनीफॉर्म में रहें। इस उद्देश्य से समाजसेवियों के सहयोग से यहाँ के बच्चों को कपड़े उपलब्ध कराने का काम हो रहा है। बहुत से सेवाभावी नागरिक स्वेच्छा से इस काम में सहयोग के लिये आगे आए हैं।

बिछुड़ों को अपनों से मिला रही है ग्वालियर की पहल

ग्वालियर । अपनों से बिछुड़े बच्चों व लोगों को उनके माता-पिता एवं परिजनों से मिलाने में ग्वालियर जिले में हुआ नवाचार महती भूमिका निभा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के आश्रय गृहों में रह रहे बच्चों व अन्य लोगों के आधारकार्ड बनाने के निर्देश दिए हैं। आधारकार्ड बनाने की इस पहल ने बिछुड़े बच्चों के घर का पता व परिजनों को ढूँढने में बड़ी मदद की है। डबरा स्थित ÷अपना घर आश्रम÷ सहित जिले के अन्य आश्रय गृहों में रह रहे कई लोगों को इस पहल के माध्यम से फिर से अपनों के बीच पहुँचाने में मदद मिली है। ग्वालियर जिले की इस पहल से प्रेरित होकर राज्य शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में आश्रय गृहों में निवासरत बिछुड़े बच्चों के आधारकार्ड बनाने के निर्देश दिए हैं। विभाग द्वारा सभी जिलों के लिये इस संबंध में एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) जारी की है। कलेक्टर श्रीमती चौहान के निर्देश पर जब अपना घर आश्रम सहित जिले के अन्य आश्रय गृहों में रह रहे बच्चों व अन्य लोगों के नए आधारकार्ड बनाने के लिये बायोमैट्रिक अर्थात अंगुलियों के निशान लिए गए तब कुछ लोगों के ऑनलाइन आधार आवेदन निरस्त हो गए। कारण बताया गया कि इनका आधारकार्ड पहले से ही बना है। पुराने आधार नम्बर के माध्यम से इन लोगों के घर व परिजनों का पता मिल गया। ऐसे लोगों व बच्चों के माता-पिता एवं परिजनों को बुलाया गया।

इस प्रकार आधारकार्ड ने बिछुड़े हुए लोगों का पुनर्मिलन करा दिया। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जिले के सभी आश्रय गृहों में निवासरत शतप्रतिशत रहवासियों के आधार पंजीयन कराने के निर्देश दिए, जिससे यदि किसी का पहले से आधार नम्बर हो तो उनके घर का पता लगाया जा सके। साथ ही रहवासियों को आधारकार्ड के आधार पर सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाया जा सके।

सड़क घेर रहे ठेले वालों को हटा वसूला जुर्माना

ग्वालियर। नगर निगम के मदाखलत अमले ने बुधवार को अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है। मदाखलत अधिकारी केशव सिंह चौहान एवं उपायुक्त सतपाल सिंह चौहान ने बताया कि शहर में सुगम यातायात हो इसके लिए प्रतिदिन यातायात में बाधक अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत बुधवार को पूर्व विधानसभा अंतर्गत फूलबाग चौराहे से गरुद्वारे चौराहे तक फुटपाथियों द्वारा फुटपाथ घेर कर किया गया अतिक्रमण को हटाया जाकर सामान जब्त कर, फुटपाथ खाली कराया गया तथा 1 हजार रूपये का जुर्माना वसूला गया। इसके साथ ही स्वामी विवेकानंद चौराहे, अचलेश्वर चौराहा एवं मांढरे की माता से नाकाचंद्रवनी तिराहा तक यातायात अवरुद्ध कर रहे हाथ ठेले और गुमटी वालों को हटाया गया।

शीघ्र परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने की मांग को लेकर उपमुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा

ग्वालियर। नर्सिंग छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष ने उपमुख्यमंत्री एवं रजिस्ट्रार मध्यप्रदेश नर्सेज रजिस्ट्रेशन काउंसिल भोपाल को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में मांग की गई कि दिसंबर 2024 में जीएनएम थर्ड ईयर एवं सेकंड ईयर की हुई मुख्य परीक्षा के परिणाम आज 5 माह से अधिक का समय हो जाने पर भी घोषित नहीं हुये है। उक्त परीक्षा परिणाम को यथाशीघ घोषित किया जाये।

छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष उपेंद्र सिंह गुर्जर ने मांग की है कि छात्र हित में जीएनएम थर्ड ईयर की परीक्षा परिणाम शीघ्र घोषित की जाये, जिससे नर्सिंग छात्र स्टाफनर्स के पद के लिए बिहार राज्य में प्रकाशित रिक्ति के लिए आवेदन कर सकें। वही जीएनएम सेकंड ईयर की परीक्षा परिणाम जल्द से जल्द घोषित कर उनके आगामी परीक्षा की तिथि जारी कर परीक्षा करवाई जाए। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने आश्वासन दिया है कि सभी स्टूडेंटों के रिजल्ट आगामी 10 दिन में घोषित कर दिए जाएंगे, जो भी बच्चे एनओसी को लेकर परेशान हो रहे हैं, उनके एनओसी समय पर निर्गत कर दिए जाएंगे। वही उन्होंने कहा कि सभी कॉलेजों के मार्कशीट नर्सेज काउंसिल मध्य प्रदेश भोपाल के द्वारा संबंधित कॉलेज में भेजे जा चुके हैं।

बानमौर में व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिये कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। जिला स्तरीय उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक कलेक्टर अंकित अस्थाना की अध्यक्षता में बुधवार को विकास भवन (एमपीआईडीसी), बानमोर में संपन्न हुई। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र में हो रहे अवैध अतिक्रमण, अवैध वसूली, औद्योगिक क्षेत्र के रख-रखाव, औद्योगिक क्षेत्र बानमोर में हो रहे प्रदूषण एवं बानमोर में होने वाली ट्रेफिक्र जाम की समस्याओं के संबंध में चर्चा की गयी। इस संबंध में कलेक्टर ने समस्याओं के निराकरण के लिए संबन्धित विभागों को कार्यवाही करने के निर्देश दिये एवं समस्याओं के निराकरण हेतु एकीकृत हेल्पलाइन नंबर जारी करने का आश्वासन दिया, जिससे समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके। बैठक में कलेक्टर ने ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' के संबंध में औद्योगिक इकाइयों को निर्देश दिये। उन्होने नवीन वृक्षारोपण, वॉटर हार्वेस्टिंग एवं मानसून आने से पूर्व जल स्त्रोतो की सफाई करने की बात कही। इस अवसर पर महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बी.एल. मरकाम, लघु उद्योग भारती बानमौर के अध्यक्ष सुदीप शर्मा, एमपीआईडीसी के महाप्रबंधक अमन कुमार, एनएचएआई के प्रतिनिधि, एमपी विद्युत वितरण कंपनी के प्रतिनिधि, सीएमओ नगर पालिका बानमोर दिनेश श्रीवास्तव, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि, बानमोर औद्योगिक संगठन के अध्यक्ष संजय शर्मा एवं सचिव के.के. मित्तल के साथ लगभग 40 उद्योगपति बैठक में उपस्थित थे।

भारतीय सेना का अपमान नहीं सहेगी कांग्रेस

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार के कैबिनेट मंत्री विजय शाह द्वारा भारतीय सेना की कर्नल श्रीमती सोफिया कुरैशी और अन्य महिला अधिकारियों को आतंकवादियों की बहन कहा गया है। भाजपा सरकार के पागल मंत्री विजय शाह के निंदनीय बयानबाजी के खिलाफ भाजपा सरकार ने कोई आपत्ति नहीं जताई है और ना ही कोई कार्यवाही की गई है।

भारतीय सेना की महिला जवानों को भाजपा मंत्री विजय शाह के द्वारा आतंकवादियों की बहन कहने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी द्वय अध्यक्ष मधुराज तोमर और दीपक शर्मा के नेतृत्व में समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुरानी कलेक्ट्रेट पर भाजपा मंत्री विजय शाह का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया और मध्य प्रदेश की सरकार से मीडिया के माध्यम से मांग की और कहा कि भारतीय सेना का अपमान कांग्रेस नहीं सहेगी जल्द से जल्द पागल भाजपा मंत्री विजय शाह को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जावे और उसके खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही भी की जावे। उक्त पुतला दहन में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मधुराज तोमर, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक शर्मा, मुरैना सभापति राधारमण डंडोतिया, संगठन मंत्री सत्यापाल कुशवाह, रघुनंदन कुशवाह, निगम नेताप्रतिपक्ष विनीत कंसाना, किसान कांग्रेस अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह डंगस, सुनील शर्मा, राकेश परमार, हरीश पाठक, सुल्तान सिकरवार, गजेंद्र सिंधी, राजेश राठौर, प्रदीप रजक, रहीश खान, के पी कंसाना, गौरव चतुर्वेदी, रामू टुंडेलकर, हरिओम राजोरिया, अनिल गुर्जर, धर्मेन्द्र गुर्जर, वकील जाटव, पवन शुक्ला, दीपक सोलंकी, आकाश शर्मा, ममता कुशवाह, बैजनाथ पिप्पल, रामू शर्मा, निरंजन राठौर एवं सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जल को सहेजने के लिये नलों में टोंटियां लगवायें, लीकेज पाइपलाइन को दुरूस्त करायें

ग्राम डोंगरपुर किरार में जनसभा में लोगों को पानी के महत्व को समझाया

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। जल है तो कल है, आओ मिलकर कदम बढ़ाएं÷ मुरैना जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के कार्यपालन यंत्री के नेतृत्व में मुरैना के ग्राम डोंगरपुर किरार में जनसभा को संबोधित करते हुये पानी के महत्व को बताया। उन्होंने कहा नलों में टोंटियां लगायें, पाइपलाइन लीकेज ठीक करने, जलकर की राशि समय पर जमा करें, प्रदूषित जल से होने वाली बीमारियों के विषय में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि पेयजल स्त्रोंतों का क्लोरिनेशन करवायें। उन्होंने कहा कि 30 जून 2025 तक जल को सहेजने, संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जल संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिले के समस्त जनपद पंचायत के ग्राम पंचायतो में जल गंगा संवर्धन अभियान में लोगों ने उत्साह एवं उमंग के साथ जल का महत्व समझते हुए श्रमदान कर अपनी सहभागिता निभा रहे हैं और जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संदेश दे रहे हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बस्तपुर तालाब के बण्ड की साफ-सफाई की

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 के अंतर्गत बस्तपुर तालाब के बण्ड पर जंगल सफाई का कार्य किया गया। यह कार्य जल संसाधन संभाग मुरैना के अधीनस्थ जल संसाधन ए.बी.सी. उपसंभाग क्र. 2 मुरैना के उपयंत्री सुरेश चन्द्र शर्मा, डी. के. गौड एवं मुलायम सिंह तोमर, हेल्पर, विनोद सिकरवार हेल्पर और विभागीय मैदानी कर्मचारियों द्वारा 13 मई को जल गंगा संवर्धन अभियान-2025 के अंतर्गत बस्तपुर तालाब के बण्ड पर जंगल सफाई का कार्य जन भागीदारी/जन सहयोग से किया गया।

हमें अपने सैनिकों पर गर्व : बीके रेखा बहिन

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना/पोरसा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय पोरसा के मुख्य सेवा केंद्र गांधीनगर में गत दिवस बीके रेखा बहन ने और ब्रह्माकुमारीज के सदस्यों ने राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कर अपनी भारतीय सेना के लिए परमात्मा से प्रार्थना की एवं शुभकामनाएं प्रकट की है कि पूरे भारत देश को रोज कुछ मिनट निकालकर अपनी भारतीय सेना के लिए परमात्मा से प्रार्थना करें कि मेरे भारतीय सेना के जवान जो देश की रक्षा के लिए कुर्बानी पर कुर्बानी दिए जा रहे हैं उन जवानों के लिए ईश्वर से हर रोज प्रार्थना करें कि वह सुरक्षित रहे, परमात्मा की छत्रछाया में वह सदा सुरक्षित हैं। ऐसे संकल्पों के साथ दृढ़ निश्चय के साथ हम सब भारतीयों को अपने जवानों के लिए राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कर वीर सपूतों के लिए प्रार्थना पूरे देश को प्रतिदिन अपने नियमित पूजा पाठ में यह शामिल करें कि भारत के लाल, वीर सपूत जो देश के लिए रात दिन जाग कर देश की रक्षा में 24 घंटे तैनात हैं। वह भी किसी मां के लाल हैं, किसी बहन का सिंदूर है किसी बहन का भाई है। उनके लिए हम सब भारत देश के नागरिक प्रतिदिन भगवान से उनकी सुरक्षा में भगवान तैनात रहे, उनकी रक्षा करें। यही कामना करनी है ताकि हम सब भारत देश के निवासियों की भारत माता के सपूतों की हमारी दुआओं से और परमात्मा की छत्रछाया आशीर्वाद से वे सदा सुरक्षित रहे और अपने मिशन में कामयाब हो विजय हो। ऐसे ही हमारे भारतीय सेना के जवानों की कुर्बानियां बेकार नहीं जानी चाहिए। हम सब भारतवासियों को एकजुट होकर कंधे से कंधा मिला कर साथ देना चाहिए। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामकुमार गुप्ता, सूरज तोमर, अरुण तोमर, कृष्णमुरारी गुप्ता, राम शाह, जसराम गुप्ता, मंसाराम जाटव, श्याम मुरारी बाबा, पुरन सचिन, अवनी गुप्ता, कण्णवी श्रीवास्तव लता, गीता, कमला बिना, कुंती, गायत्री पिंकी, रेशमकली, सरोज, सत्यवती मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

500 वर्षों बाद देव गुरु बृहस्पति के गोचर और कर्मफल प्रदाता शनि के वक्रत्व 2025 का संयोग

12 राशियों एवं देश और दुनिया पर प्रभाव

छाया ग्रह राहु केतु का गोचर क्रमशः कुम्भ और सिंह राशियों में 18 मई को

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

भचक्र में जब कोई भी बड़े ग्रह गोचरवश राशि परिवर्तन करते है या कोई ग्रह वक्री होता है तो वह ग्रह अपनी राशिगत स्थितियों और दृष्टियों के साथ सभी जड़ या चेतन को प्राकृतिक भौगोलिक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से प्रभावित करते हैं।

वर्तमान में दो बड़े ग्रह देवगुरु बृहस्पति और राहु 18 मई 2025 को गोचरवश राशि परिवर्तन करने जा रहे है।

जहां बृहस्पति 18 मई को वृषभ राशि से मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे और वह अतिचारी चाल से कुल पांच महीने बाद 18 अक्टूबर 2025 तक रहकर कर्क राशि में गोचर करेगे।वहीं छाया ग्रह राहु केतु भी 18 मई 2025 ही को क्रमशः कुम्भ और सिंह राशि में दिन रविवार को प्रवेश करेंगे और 5 दिसम्बर 2026 तक इन्ही राशियों में भ्रमण करेगे।

कर्मफल प्रदाता शनिदेव का वक्रत्वः- 13 जुलाई 2025 से 28 नवंबर 2025 तक वक्री गति से मीन राशि मे ही भ्रमण करेंगे

बृहस्पति का मिथुन राशि में गोचर और वक्री वक्री शनिदेव का प्रभावः-

वैदिक ज्योतिष के अनुसार, भचक्र में इन स्थितियों/संयोगो का सभी 12 राशियों पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है। यह मानव जीवन, देश और दुनिया के विभिन्न पहलुओं को भी प्रभावित करता है। ग्रहों का गोचर जातको के जीवन शैली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इस प्रकार, लोग अपने जीवन में आवश्यक निर्णय तदानुसार ले सकते हैं। आकाशीय पिंडों(ग्रहों) की गति जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करती है।

देवगुरु वृहस्पति के मिथुन राशि में गोचर के अवधि में

कर्मफल दाता शनि भी वक्री अवस्था में रहेगा। ऐसे में 500 साल बाद बृहस्पति गोचर और शनि वक्री 2025 के प्रभाव लोगों के जीवन में कई तरह के शुभ और अशुभ परिणाम लेकर आएंगे। बृहस्पति और शनि मिलकर लोगों के भाग्य एवम क्रमों को नया आकार देंगे और दीर्घकालिक परिवर्तन करेंगे।

बृहस्पति गोचर और शनि वक्री 2025 का सभी 12 राशियों पर प्रभाव

बृहस्पति के गोचर और शनि के वक्री होने से सभी 12 राशियों को अलग-अलग परिणाम परिलक्षित होंगे, इस अवधि में वृषभ, मिथुन, तुला मकर में राशियों के जातकों लाभ मिलेगा। इस अवधि के दौरान जातक अपने सपने पूरे कर सकते हैं और सफलता के साथ मुश्किल परिस्थितियों से बाहर आ सकते हैं। बेरोजगार लोगों को रोजगार मिल सकता है और नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारियाँ/प्रमोशन मिल सकती हैं। उनकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार होगा और वे विभिन्न प्रकार के निवेशों से आर्थिक लाभ कमा सकते हैं। साथ ही, ग्रहों की चाल के कारण आय के नए स्रोत खुलेंगे और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव होंगे। उपरोक्त भाग्यशाली राशियों के जातकों को अपने कार्य/धंधों में सम्मान मिलेगा और कलात्मक क्षेत्रों में सफलता मिल सकती है। साथ ही, अविवाहित लोगों को इस अवधि में विवाह के प्रस्ताव भी मिल सकते हैं।

2. सिंह और वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह गोचर एवं वक्रत्व अशुभ फल प्रदान करेंगे। इस अवधि के दौरान जातकों को सावधान रहने की जरूरत है और पूरी तरह से सोच समझ कर ही कोई जोखिम भरे कदम उठाने चाहिए। आर्थिक नुकसान हो संभावना है इसलिए किसी भी तरह के बड़े निवेश से बचने की जरूरत है। लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है और चिकित्सा से संबंधित खर्चों से परेशान हो सकते हैं। उन्हें धैर्य रखने और समर्पण के साथ विशिष्ट लक्ष्यों की ओर काम करने की जरूरत है।

3. मेष, कर्क, कन्या धनु और कुंभ राशि के जातकों को बृहस्पति के गोचर और शनि के वक्री होने के कारण मध्यम परिणाम मिलेंगे।

नोटः- (यह राशियों के स्थूल परिणाम है सूक्ष्म और सटीक परिणाम जातक की नैसर्गिक कुंडली की दशाओ एवम ग्रह की भावगत स्थितियों पर निर्भर करेगा)

बृहस्पति का मिथुन में गोचर और शनि का वक्रत्व 2025 काः देश और दुनिया पर प्रभाव

शनि का वक्री होना तथा शनि का गोचर किसी खास देश या क्षेत्र में राजनीतिक उथल-पुथल मचा सकता है। साथ ही उच्च पदों पर बैठे लोगों को विभिन्न परिस्थितियों से परेशानी हो सकती है। भारत में सत्तारूढ़ सरकार द्वारा अपने नेतृत्व तथा मंत्रिमंडल में बदलाव किए जाने के आसार हैं। मौसम में कई तरह के बदलाव होंगे तथा कई देशों में तनाव की स्थिति बन सकती है। बृहस्पति का गोचर वैवाहिक जीवन में तलाक की दर को भी तेजी से बढ़ाता है। शनि का वक्री होना तथा बृहस्पति का गोचर असामान्य वर्षा यानी कहि अल्प कहि अतिवृष्टि की विभिन्न संभावनाएं पैदा करेगा है। साथ ही कई स्थानों पर आगजानी की घटनाएं भी हो सकती हैं।

प्रस्तुतिः- ज्योतिर्विदः पं रमेश चौरसिया

कार की यात्री बस से भिड़ंत में ड्राईवर की मौत

दिमनी थाना क्षेत्र में रतीराम का पुरा टोल के पास हुआ हादसा

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। दिमनी थाना क्षेत्र में एनएच-552 हाईवे पर रतीराम का पुरा टोलटैक्स के पास एक टाटा पंच कार को सामने से आ रही यात्री बस ने टक्कर मार दी। हादसे में कार के ड्राईवर की मौत हो गई। जबकि कार में सवार दो साधु बुरी तरह जख्मी हुए है। दोनों साधुओं को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार बुधवार को साधु सतानंद महाराज निवासी जिठासी, मेहगांव और कालीदास महाराज नि. तेज सिंह का पुरा गोरमी अपनी टाटा पंच कार में सवार होकर बागचीनी क्षेत्र के कटीबरी हनुमान मंदिर पर संतजनों की पंचायत में शामिल होने आए थे। आयोजन में शामिल होने के बाद दोनों साधु कार से मेहगांव जा रहे थे, कार को ड्राईवर रामकुमार गुर्जर नि. मेहगांव चला रहा था। इसी दौरान जब उनकी कार दिमनी थाना क्षेत्र में रतीराम का पुरा टोलटैक्स के पास से गुजर रही थी। तभी कार की सामने से आ रही एक यात्री बस से भिड़ंत हो गई। हादसे में कार के ड्राईवर रामकुमार की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि साधु सतानंद और कालीदास बुरी तरह जख्मी हो गए। दोनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की थी।

प्राणी मात्र को कर्म ही तारता है, कर्म ही मारता है: मुनिश्री विलोकसागर

जैन मंदिर में प्रतिदिन प्रातः 08.30 बजे होते हैं मुनिश्री के प्रवचन

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। मन वचन काय का मिलना वरदान भी है और अभिशाप भी है। वरदान इस लिए है कि इसको प्राप्त कर हमने इसका सदुपयोग कर लिया, अच्छे कार्य कर लिए तो हमारा उत्थान हो जाएगा और मन वचन काय का हमने दुरुपयोग कर लिया तो हमारा विनाश हो जाएगा। कर्म ही तारे, कर्म ही मारे कर्म ही हमको मारता है और कर्म ही हमको तारता है। यदि मन वचन काय का दुरुपयोग होगा तो बुरे कर्म की आसक्ति होगी और सदुपयोग होगा तो अच्छे कर्म की आसक्ति होगी। मन वचन काय से हमारे भावों की परिणीति से कर्मों की उत्पत्ति होती है। जैसे पानी तो पानी है, वो जैसे संयोग में आएगा वैसा हो जाएगा। यदि आप पानी को नीम का निमित्त मिलेगा तो वो कड़वा हो जाएगा और यदि पानी को अंगूर या गन्ने का निमित्त मिलेगा तो वह मीठा हो जायेगा। इसी प्रकार सांसारिक प्राणी मन वचन काय का उपयोग जिस निमित्त से करेगा उसी के फलस्वरूप वो परिणामों को प्राप्त करेगा। इसी तरह हमारे द्वारा उत्पन्न वर्णाएं भावों का निमित्त पाकर के उस रूप में कर्म तैयार करता है। उक्त वचन दिगंबर जैन मुनिश्री विलोक सागर महाराज ने बड़ा जैन मंदिर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

मुनिश्री ने बताया कि हमें सदैव अपने भावों को देखना चाहिए, न कि दूसरे के भावों को। हमारे स्वयं के आचरण से, हमारे स्वयं के भावों से ही हमारा उत्थान होगा, न कि किसी दूसरे के भावों से। लेकिन वर्तमान में सांसारिक प्राणी अपनी कमियों को नहीं देखता, अपने आचरण को नहीं नहीं देखता। वह अपने अवगुणों को नजरअंदाज करते हुए दूसरों के अवगुणों को देखता है, दूसरों के भावों को देखता है। हे भव्य आत्माओं हमें जो भी परिणाम मिलेगे अपने भावों की परिणीति से मिलेगे। किसी अन्य के भावों की परिणीति से हमारा कल्याण होने वाला नहीं है।

परेड चौराहाः जहां बतखें बन गई है मोहल्ले की सदस्य, इंसान और प्रकृति के अनूठे रिश्ते की मिसाल

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना/अंबाह। नगर के परेड चौराहे के आसपास प्रतिदिन एक दिल को छू लेने वाला नज़ारा देखने को मिलता है--जहां दर्जनों बतखें वर्षों से मोहल्ले की एक स्थायी सदस्य की तरह रह रही हैं। यह केवल पक्षियों की कहानी नहीं, बल्कि इंसान और प्रकृति के बीच विश्वास, अपनापन और सह-अस्तित्व की एक जीवंत मिसाल है। हर सुबह ये बतखें टोली बनाकर मोहल्ले के घरों की ओर निकल पड़ती हैं। घर-घर जाकर दरवाज़े पर अपनी आवाज़ में दस्तक देती हैं, मानो कह रही हों, हम आ गए हैं, कुछ खिलाओ। मोहल्ले के लोग भी इन्हें निराश नहीं करते। कोई चावल देता है, कोई रोटी, तो कोई पराठे व पूड़ी या बिस्कुट। इन पक्षियों के लिए यह केवल भोजन नहीं, बल्कि एक प्रेमपूर्ण रिश्ता है जो वर्षों से गहराता जा रहा है। स्थानीय निवासी कुलदीप जैन बताते है कि बतखें अत्यंत सामाजिक, शांत और समर्पित पक्षी होती हैं। यह समूह में रहना पसंद करती हैं और एक दूसरे का साथ निभाती हैं।

इनकी स्मरण शक्ति भी तेज़ होती है, यही कारण है कि वे रोज़ उन्हीं घरों का रुख करती हैं जहाँ उन्हें अपनापन और स्नेह मिला है। साफ-सुथरे और मिलनसार स्वभाव के कारण ये पक्षी आसानी से मानव समुदाय का हिस्सा बन जाती हैं।ज्ञात रहे कि पहले ये बतखें आसपास के गड्ढों और तालाबों में निवास करती थीं, लेकिन शहरीकरण और जल स्रोतों के सूखने से अब वे स्थानीय जेपी स्टैंडर्ड स्कूल में शाम होते ही शरण लेती हैं। स्कूल मालिक गजेंद्र सिंह सिकरवार वर्षों से इनकी सुरक्षा कर रहे है उक्त जगह अब बत्तखों लिए एक सुरक्षित आश्रयस्थल बन गया है, जहां वे रात बिताती हैं और सुबह फिर मोहल्ले की गलियों में निकल जाती हैं।

सीएम राइज विद्यालय गोठ में हुआ समर कैंप का समापन

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। दिनांक 14 मई को शासकीय सीएम राइज विद्यालय गोठ में ग्रीष्मकालीन समर कैंप का समापन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य राम प्रकाश माहौर द्वारा की गई। मुख्य अतिथि के रूप में गोठ सरपंच उपस्थित थे। सर्वप्रथम मां सरस्वती का पूजन किया गया। विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत तथा सरस्वती वंदना की ग्रीष्मकालीन शिविर में विद्यालय की छात्र-छात्राओं ने पोस्टर प्रतियोगिता खेलकूद, चार्ट, रंगोली, जल बचाओ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी की। विद्यालय के उप प्राचार्य जेपी तरेटिया के मार्गदर्शन में विद्यालय के शिक्षक बालवीर दादोरिया, मनोज शर्मा, अमित निगम ने शिविर में बच्चों की मदद की। समापन के अवसर पर विद्यालय के शिक्षक हरिओम तिवारी, अशोक शर्मा, योगेश शर्मा, विजय कुमार सोनी, श्रीमती मनोरमा भदोरिया, श्रीमती सुहासिनी सिकरवार तथा अन्य विद्यालय ने स्टाफ उपस्थित था।

युवक फांसी पर झूला

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। बागचीनी थाना क्षेत्र के ग्राम तांतियापुरा में रहने वाले बंटी उर्फ रणवीर कुशवाह 30 पुत्र दर्शनलाल कुशवाह ने 13 मई को गांव में मोनू के खेत में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। शव का पीएम कराने के बाद मर्ग कायम कर लिया है।

ट्रकों की भिड़ंत में युवक की मौत

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना। रिठौराकलां थाना क्षेत्र में 13 मई की रात को एनएच-44 हाईवे पर टीकरी गांव के पास दो ट्रकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई थी। जिसमें राघवेन्द्र शर्मा 24 पुत्र कैलाश शर्मा नि. जगरियापुरा थाना सैपऊं जिला धौलपुर की मौत हो गई थी। पुलिस ने ट्रक क्रं. आरजे11-जीबी-4908 के चालक के विरुद्ध बीएनएस की धारा-106 के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

अम्बाह की सारा जैन ने 10वीं में 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर बढ़ाया नगर का मान

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

मुरैना/अम्बाह। नगर की होनहार छात्रा सारा जैन सुपुत्री अंशुल जैन एवं श्रीमती रीना जैन ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) की कक्षा 10वीं परीक्षा में 94 प्रतिशत अंक अर्जित कर नगर, परिवार एवं समाज का नाम गौरवान्वित किया है। सारा वर्तमान में सिंधिया कन्या विद्यालय, मोतीमहल आर.डी., ग्वालियर में अध्ययनरत है। वह नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अंजली जैन एवं पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष जिनेश जैन की नातिन हैं। सारा की इस शानदार उपलब्धि पर परिजनों सहित नगरवासियों में अपार हर्ष है। नगर के गणमान्य नागरिकों, शिक्षकों एवं समाजजनों ने उसे इस सफलता के लिए शुभकामनाएं दी हैं एवं उसके उज्वल भविष्य की कामना की है। परिवारजनों ने सारा की सफलता का श्रेय उसकी कठिन मेहनत, आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय को दिया है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
मैकेनिकल खण्ड सागरताल ग्वालियर (म.प्र.)
Ph.No-0751-2452685,E-Mail-emphedgwa@mp.nic.in

क्रमांक/798/तक./का.यं./लो.स्वा.यां.वि./मैकेनिकल/खण्ड/2025-26 ग्वालियर, दिनांक 13.05.2025

।। ई-निविदा आमंत्रण सूचना ।।

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदाए निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है। पंजीकृत फर्मों से ऑन लाईन डिजिटली हस्ताक्षरित मोहरबंद निविदा अनुभवी ठेकेदारों से प्रतिशत दर पर प्रपत्र "Appendix 2.10" पर आमंत्रित की जाती है।

विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी बेबसाईट **www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन केवल उपरोक्त बेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्य का नाम :- Installation of Handpump and Construction of Platform, Drain, Soakage pit and Washing platform work for Villages In Different Distt. As Below Here :-

क्रं.	जिला	ई-निविदा आई.डी. कमांक	निविदा कमांक/दिनांक	हैण्डपम्प स्थापना एवं प्लेटफॉर्म निर्माण संख्या	अनुमानित लागत (रूपये में)	धरोहर राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण अवधि
1	मुरैना	2025_PHED_422731_1	01/2025-26 13.05.2025	50 नग	588700/-	11774/-	2000/-	01 वर्ष
2	भिण्ड	2025_PHED_422733_1	02/2025-26 13.05.2025	50 नग	588700/-	11774/-	2000/-	01 वर्ष
3	शिवपुरी	2025_PHED_422734_1	03/2025-26 13.05.2025	50 नग	588700/-	11774/-	2000/-	01 वर्ष
4	श्योपुर	2025_PHED_422737_1	04/2025-26 13.05.2025	50 नग	588700/-	11774/-	2000/-	01 वर्ष
5	अशोकनगर	2025_PHED_422739_1	05/2025-26 13.05.2025	50 नग	588700/-	11774/-	2000/-	01 वर्ष

ई-निविदाएं ऑनलाइन खरीदने की अंतिम तिथि :- 28.05.2025 समय 18:00 बजे तक
ई-निविदा में बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 28.05.2025 समय 18:00 बजे तक
ई-निविदा खोलने की तिथि व समय :- 30.05.2025 समय 13:00 बजे के पश्चात्

G12870/25

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग
मैकेनिकल खण्ड ग्वालियर

प्रदेश सरकार कमजोर व्यक्तियों के साथ हमेशा खड़ी है : सीएम डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में गोटेगांव में हुआ 218 जोड़ों का सामूहिक विवाह

मुख्यमंत्री ने वर्चुअली सहभागिता कर वर-वधुओं को दिया आशीर्वाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विवाह हमारी संस्कृति की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। यह हमारे समाज और परिवार का आधार है। सामूहिक विवाह सम्मेलन गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए संबल और सहयोग के प्रतीक हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के साथ हमारी सरकार दोस्त बनकर हमेशा साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को नरसिंहपुर जिले के नई कृषि उपज मंडी प्रांगण, गोटेगांव में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में वर्चुअली सहभागिता कर संबोधित कर रहे थे। सामूहिक विवाह सम्मेलन में कुल 218 जोड़े (216 कन्याओं का विवाह और 02 बेटियों का निकाह) परिणय सूत्र में बंधे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार माताओं, बहनों और बेटियों के हितों की रक्षा के लिए हर कदम पर साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि बहन, बेटियों के लिए हमने अपने सालाना बजट में 27 हजार 147 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। प्रदेश में ग्रामसभा से लेकर विधानसभा तक महिलाओं की प्रभावी उपस्थिति है। शासकीय नौकरियों में हमने महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत तक आरक्षण का प्रावधान किया है। प्रदेश में 40 प्रतिशत से अधिक स्टार्ट-अप्स का संचालन महिलाएं कर रही हैं। बीते वर्षों में 5 लाख स्व-सहायता समूहों के माध्यम से करीब 62 लाख ग्रामीण बहनें आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। यह हमारे लिये गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी नवविवाहित जोड़ों को दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं व आशीर्वाद देते हुए कहा कि 16 संस्कारों में सबसे सुंदर संस्कार पाणिग्रहण संस्कार है।

मंत्री सिंधिया के निर्देश पर डाकघर में शराब पीने वाले तीन कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई

- हिन्दुस्तान एक्सप्रेस -

जमशेदपुर। टाटानगर पोस्ट ऑफिस में ड्यूटी के दौरान खुलेआम शराब पीने की घटना पर डाक विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए तीन कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, जबकि एक अन्य कर्मचारी को ड्यूटी से हटा दिया गया है। यह कार्रवाई मामले के मीडिया में उजागर होने और केंद्रीय संचार मंत्रालय द्वारा संज्ञान लेने के बाद की गई है।

जांच के बाद हुई कार्रवाई

डाक अधीक्षक परमानंद कुमार के निर्देश पर एएसपी (वेस्ट) परीक्षित सेठ ने इस मामले की जांच की। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद एलएसजी डाक सहायक नितेश कुमार, ओवरसियर अमित कुमार ठाकुर और नाइट गार्ड जितेन्द्र कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। साथ ही जीडीएस बीपीएम सूरज कुमार साहू को भी ड्यूटी से हटा दिया गया है।

3 मई की रात हुआ था मामला उजागर

उक्त घटना 3 मई 2025 की रात की है, जब टाटानगर पोस्ट ऑफिस परिसर में डाक कर्मचारी कथित रूप से परिसर के भीतर खुलेआम शराब का सेवन करते हुए पाए गए। इस संबंध में एक मीडिया रिपोर्ट सामने आने के बाद विभागीय जांच के आदेश जारी किए गए थे।

डाक विभाग ने जताई कड़ी नाराजगी, शून्य सहनशीलता की नीति दोहराई

केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के संज्ञान में आते ही डाक विभाग ने इस प्रकार की अनुशासनहीनता को गंभीर सेवा उल्लंघन मानते हुए स्पष्ट किया है कि कार्यालय परिसर में इस प्रकार का आचरण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग ने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु शून्य सहनशीलता की नीति अपनाने की बात दोहराई है।

उमड़े हजारों श्रद्धालु , शिवमहापुराण कथा के लिये निकली कलश यात्रा

- चप्पल उठाऊंगा, पानी पिलाऊंगाः विधायक सतीश सिकरवार

ग्वालियर। विश्व जागरण मानव सेवा संघ चेरिटेबल ट्रस्ट की ग्वालियर शाखा द्वारा 14 मई से 23 मई तक शिवलोक धाम फूलबाग मैदान में शिवमहापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा से पूर्व बुधवार की शाम सनातन धर्म मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें शहर के हजारों श्रद्धालुओं ने शिरकत कर पुण्य लाभ हासिल किया। बुधवार शाम सनातन धर्म मंदिर अचलेश्वर मार्ग से भव्य कलश यात्रा आरंभ हुई, जिसमें शिवमहापुराण की रसवर्षा करने ग्वालियर आए कौशिकज महाराज बग्घी पर सवार होकर चले। कार्यक्रम संयोजक विधायक सतीश सिंह सिकरवार एवं महापौर डा. शोभा सिकरवार सिर पर शिव महापुराण की पोथी लेकर चलीं। कलश यात्रा में शामिल बैण्डबाजों द्वारा निकाली जा रही भजनों की धुन वातावरण को भक्तिमय बना रही थीं। इस दौरान महाकाल की पालकी को भक्त कंधे पर लेकर चल रहे थे।

इस दौरान यात्रा मार्ग में खूब आतिशबाजी भी की गई। जगह-जगह कलश यात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। कलश यात्रा सनातन धर्म मंदिर से शुरू होकर इंदरगंज चौराहा, जयेन्द्रगंज, नदी गेट, गुरूद्वारा, डी.डी. मॉल होते हुये कथा स्थल पहुंची। देर शाम फूलबाग स्थित शिवलोक धाम कथा स्थल पर पहुंचने पर विधायक डा. सतीश सिकरवार एवं महापौर डा. शोभा सिकरवार ने पोथी पूजन किया। पं रामदेव शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा पाठ कराया। इस मौके पर कौशिक महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिन माताओं को कलश उठाने का सौभाग्य मिला है, उन्हें प्रभु का धन्यदाव देना चाहिए, क्योंकि कलश उठाने का पुण्य तुलसी पूजा के समान फलकारी है। मैं ग्वालियर में सिर्फ कथा सुनाने नहीं बल्कि यहां के लोगों से गौतीर्थ तुलसी तपोवन के लिए सहयोग लेने भी आया हूं, जो देश की सबसे बड़ी गौशाला है, जिसमें अभी 20 हजार गायों की एक ही छत के नीचे सेवा हो रही है, जिसे बढ़ाकर एक लाख तक पहुंचाना हैं, इसमें ग्वालियरवासियों का सहयोग भी अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि ज्येष्ठ के श्रेष्ठ मास में यह शिवपुराण कथा हो रही है, जिसके श्रवण से पीढ़ियों को पुण्यफल हासिल होगा। जिन माताओं ने कलश उठाएं हैं, वे हर रोज एक दिया महादेव का जलाएं। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक विधायक सतीश सिकरवार ने कहा कि देश के हालातों के चलते ऐसा लग रहा था कि कथा शायद ही हो पाएगी, लेकिन ग्वालियरवासियों को अब अगले नौ दिन तक शिवमहापुराण सुनने का सौभाग्य मिलेगा। मुझे महाराजजी की ओर से जब कथा संयोजक बनने को कहा गया तो मैंने हां करने में एक मिनट भी नहीं लगाया। मैं इस आयोजन में चप्पल उठाने से लेकर पानी पिलाने तक का काम करूंगा।

श्रद्धालुओं की भारी संख्या की संभावना को देखते हुए फूलबाग शिवलोक धाम में विशाल वाटरप्रूफ पण्डाल लगाया गया है। भव्य मंच तैयार किया गया है। श्रद्धालुओं को शीतल जल उपलब्ध कराने के लिए वाटर कूलर लगाया गया है। शीतल जल व्यवस्था प्रजापति समाज द्वारा की गई है। वाहन पार्किंग की निशुल्क व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर गौ तीर्थ तुलसी तपोवन गोशाला वृन्दावन से आए विश्व जागरण मानव सेवा संघ चैरिटेबल ट्रस्ट के सचिव पं. रामदेव शास्त्री, उमेश उप्पल, राम पाण्डेय, राम बाबू अग्रवाल, एमआईसी सदस्य अवधेश कौरव, महेन्द्र शुक्ला एवं आदित्य शर्मा इत्यादि लोग मौजूद थे।

जब समाज अपने सच्चे नायकों को पहचानता है, तो नई पीढ़ी को दिशा मिलती हैः अभय चौधरी

- कायस्थ समाज की 10 प्रतिभाओं को मिला कायस्थ रत्न

ग्वालियर। आज हम जिन लोगों को सम्मानित कर रहे हैं, वे हमारी मिट्टी की खुशबू हैं। ये वे चेहरे हैं जिन्होंने अपने कर्म और समर्पण से समाज में उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। कोई शिक्षक के रूप में ज्ञान बांट रहा है, तो कोई समाज सेवा के माध्यम से जरूरतमंदों की जिंदगी संवार रहा है। कोई कला के जरिए संस्कृति को संजो रहा है, तो कोई खेल के मैदान में जिले का नाम रोशन कर रहा है। यह बात जीडीए के पूर्व अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के चार बार अध्यक्ष रहे अभय चौधरी ने भगवान चित्रगुप्त जी के प्राकट्य महोत्सव के अंतर्गत चित्रगुप्त धाम कायस्थ छात्रावास में आयोजित कायस्थ रत्न अलंकरण एवं मेधावी बच्चों के सम्मान समारोह में कही।

कार्यक्रम में भाजपा नेता चौधरी ने कहा कि यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं, पूरे समाज की सामूहिक चेतना और मेहनत का परिणाम है। यह गौरव हम सबका है। जब समाज अपने सच्चे नायकों को पहचानता है, तो नई पीढ़ी को भी दिशा मिलती है। मैं आप सभी से अपील करता हूं कि आप अपने कार्यों से प्रेरणा का स्रोत बने रहें। हम सभी को मिलकर एक सशक्त, जागरूक और संवेदनशील समाज का निर्माण करना है। इससे पहले भगवान चित्रगुप्त धाम मंदिर में फूलबंगला सजाया गया। उसके बाद चित्रगुप्त भगवान को छप्पन भोग लगाया गया। अलंकरण समारोह में समाज की 10 प्रतिभाओं को कायस्थ रत्न अलंकरण और 12 मेधावी बच्चों एवं मंदिर में हुई प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर भोजन प्रसादी के रूप में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन अरुण कुलश्रेष्ठ ने किया एवं आरती पूजन राजेश्वर राव ने करवाया। कार्यक्रम में संयोजक देवशरण श्रीवास्तव, आकाश श्रीवास्तव, टीएस सक्सेना, सुरेंद्र खरे, अमित सक्सेना, महेंद्र श्रीवास्तव, वैभव श्रीवास्तव, अमन श्रीवास्तव, शशिकांत भटनागर, संजीव कुलश्रेष्ठ, दीपक श्रीवास्तव, प्रियांकुर श्रीवास्तव, विजय सक्सेना, अनूप श्रीवास्तव, सुरेंद्र श्रीवास्तव एडवोकेट, अचल चौधरी, डॉक्टर मयंक श्रीवास्तव, महेंद्र कुलश्रेष्ठ, दीप श्रीवास्तव, सक्षम गुरुहा, चंचल श्रीवास्तव, मिली सक्सेना, तृप्ति भटनागर, अनुराधा सक्सेना, सारिका श्रीवास्तव, माधवी श्रीवास्तव, आभा श्रीवास्तव, अंगूरी श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

लंदन में अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में शामिल होंगे अजय बंसल

ग्वालियर। शहर के जाने-माने वरिष्ठ आर्किटैक्ट अजय बंसल लंदन में 5 जून को होने वाली इंडो-यूके कामर्शियल डिसप्युट पर अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में शामिल होंगे। यह आयोजन इंडियन कॉउंसिल ऑफ आर्बिट्रेसन (वाणिज्य मंत्रालय भारत सरकार) के द्वारा इंडो-यूके कामर्शियल डिसप्युट विषय पर आयोजित किया जा रहा है। जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई उद्घाटन सत्र का शुभारंभ करेंगे, जबकि सेवानिवृत्त लार्ड बिग्स बेस्टबोर्न न्यायाधीश सुप्रीमकोर्ट यूके के द्वारा भी संबोधन दिया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल होंगे। इस कांफ्रेंस में श्री बंसल को आमंत्रित किए जाने पर कई संगठनों एवं गणमान्यजनों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। यह आयोजन पिक्की एवं भारत सरकार द्वारा किया जा रहा हैं।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. गुरुकृपा प्रकाशन प्रेस ,टी.आई.टी कॉम्पलेक्स मुरैना से मुद्रित एवं हिन्दुस्तान एक्सप्रेस परिसर नवीन नगर निगम मुख्यालय के सामने सिटी सेंटर ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। R.N.I. No. MP HIN/2007/ 18763
सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे, स्थानीय संपादक संजय त्रिपाठी सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा। फोन: 0751-2234001 मो. 94251-26060, 9425360435